महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

# मालवा हेराल्ड

वर्ष : 17 अंक : 16 | उज्जैन, शुक्रवार 26 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए


**सुविचार**

*जीवन में कभी भी दिखावे कि कोशिश मत करिए 'क्योंकि' जब परफेक्ट, हो जायेंगे तो खुद ही नज़र आ आजायेंगे*

# कृषक कल्याण वर्ष में अगली छमाही में 6 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में बढ़ेंगी सिंचाई सुविधाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

### केन–मंदाकिनी लिंक अंतर प्रांतीय परियोजना का प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित

**भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषक कल्याण वर्ष में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। इस वर्ष 13 जिलों में जिन सिंचाई परियोजनाओं के कार्य पूर्ण हो गए हैं, उनके लोकार्पण की तैयारी कर ली गई है। आगामी 6 माह में लगभग 6 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि करने वाली इन परियोजनाओं का लोकार्पण होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में गुरूवार को मंत्रालय में हुई जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास विभागों के कार्यों की समीक्षा बैठक में जानकारी दी गई कि कृषक कल्याण वर्ष में अनेक सिंचाई परियोजनाओं के लोकार्पण होंगे। इनमें बड़वानी, सीहोर, शाजापुर, देवास, झाबुआ, धार, खण्डवा, खरगोन, आलीराजपुर, राजगढ़, जबलपुर, कटनी और मण्डला जिलों की सिंचाई परियोजनाएं शामिल हैं। बैठक में सिंहस्थ से जुड़ी 3 परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा घाटी विकास और जल संसाधन विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग और नर्मदा घाटी विकास विभाग डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केन-मंदाकिनी लिंक अंतर प्रांतीय परियोजना का प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित- बैठक में जानकारी दी गई कि केन-मंदाकिनी लिंक अन्तर्राज्यीय सिंचाई परियोजना का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया है। इस परियोजना से 93 हजार 310 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विकास होगा और 15.8 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया जा सकेगा। परियोजना में 20 किलोमीटर लंबाई की टनल भी बनाई जाएगी। परियोजना की लागत 8400 करोड़ रुपए से अधिक होगी।

सिंहस्थ से जुड़ी परियोजनाओं के कार्यों में प्रगति- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ आयोजन के उद्देश्य से पूर्ण की जाने वाली परियोजनाओं के कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इनमें सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का 82त्न कार्य पूर्ण हो गया है। बैठक में बताया गया कि कान्ह डायवर्सन क्लोज्ड डक्ट परियोजना में 66त्न प्रगति है। शिप्रा तट पर सिंहस्थ में करोड़ों लोगों द्वारा सुविधाजनक ढंग से पुण्य स्नान का लाभ लेने के दृष्टि से 29 किलोमीटर लंबाई में बनाए जा रहे घाटों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस कार्य में भी 60त्न प्रगति है।

सिंचाई क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि-प्रदेश में सिंचित रकबा निरंतर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में निर्मित और निर्माणाधीन परियोजनाओं से निकट भविष्य में मिलने वाले लाभ को जोड़ें तो प्रदेश में सिंचित क्षेत्र 95. 45 लाख हैक्टेयर हो जाएगा। इसके अलावा अन्य स्वीकृति प्राप्त परियोजनाओं को समाहित करें तो यह आंकड़ा 108 लाख हैक्टेयर होगा। कार्यों को तेजी से पूरा किए जाने के फलस्वरूप सिंचाई क्षेत्र का निरंतर विस्तार हो रहा है। गत ढाई वर्ष में लगभग 10 लाख हैक्टेयर सिंचाई क्षेत्र में वृद्धि हुई है।

केन-बेतवा अंतर्राज्यीय परियोजनाओं में पुनर्व्यवस्थापन के लिए विशेष पैकेज- बैठक में जानकारी दी गई कि केन-बेतवा अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना में बुंदेलखण्ड क्षेत्र के दस जिलों में 8.11 लाख हैक्टेयर वार्षिक सिंचाई के साथ 130 मेगावॉट ऊर्जा उत्पादन भी होगा। परियोजना में भू-अर्जन, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन के लिए विशेष पैकेज के तहत अवार्ड पारित कर 90 प्रतिशत भुगतान किया चुका है। बीना कॉम्प्लेक्स बहुउद्देश्य परियोजना में चकरपुर एवं मड़िया बांध का काम पूरा हो गया है। संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना में 13 जिलों के 6.16 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा मिलेगी।

## न्यूज ब्रीफ

### कर्नाटक में भाजपा विधायकों की क्रॉस वोटिंग, JDS के फैसले पर भी अटकलें

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में भाजपा के कुछ विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग की घटना ने भाजपा नेतृत्व को चिंतित किया और इस मामले में उन विधायकों की पहचान की जा रही है जो इस प्रक्रिया में शामिल थे। वहीं, इस मामले में राजग घटक दल जदएस की भूमिका और मंशा को लेकर भी अटकलें लगने लगी हैं। जदएस के राज्य प्रमुख और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के बयानों ने इस चर्चा को और बल दिया है। उन्होंने पार्टी उम्मीदवार की हार के बाद कहा कि वह इस नतीजे से न तो चकित हैं और न ही हतप्रभ। सूत्रों के अनुसार, जदएस के विधायकों ने उम्मीदवार उतारे जाने पर असहमति जताई थी, फिर भी पार्टी ने उम्मीदवार उतारे और अतिरिक्त वोट जुटाने का कोई प्रयास भी नहीं किया। पिछले हफ्ते कर्नाटक में सात विधान परिषद सदस्यों के लिए चुनाव हुआ था, जिसमें सत्ताधारी कांग्रेस ने पांच और भाजपा ने दो सीटें जीतीं। यानी आठवें उम्मीदवार के लिए वहां कोई जगह ही नहीं थी क्योंकि कांग्रेस को सभी पांच सीट जिताने के लिए अतिरिक्त पांच वोटों का ही इंतजाम करना था और दो निर्दलीय उम्मीदवार भी मौजूद थे। उधर बाजी पलटने के लिए जदएस को भाजपा के सदस्यों के समर्थन के अलावा भी छह वोट चाहिए थे। जाहिर तौर पर डीके शिवकुमार जैसे मुख्यमंत्री के होते हुए यह बहुत कठिन काम था। रोचक तथ्य यह है कि जदएस उम्मीदवार की हार और भाजपा तथा खुद जदएस के कई विधायकों की ओर से क्रास वोटिंग किए जाने के बावजूद कुमारस्वामी के चेहरे पर न तो क्रोध था, न आश्चर्य और न ही सवाल। उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल विधायकों की निष्ठा की जांच करने के लिए उम्मीदवार उतारा था। विधानसभा चुनाव अभी दो साल दूर हैं, ऐसे में यह सवाल उठता है कि उन्हें निष्ठा जांचने की आवश्यकता क्यों पड़ी? विधायकों के बेनकाब होने से उनकी पार्टी को क्या फायदा होने वाला है, यह सवाल कर्नाटक की राजनीति में गर्म है। दरअसल यदि उन्होंने क्रास वोटिंग करने वाले विधायकों को पार्टी से निकाला तो इससे पार्टी की शक्ति कम होगी।

### नकली दवाओं पर वार: जीवनरक्षक टीकों व दवाओं पर अब क्यूआर कोड अनिवार्य

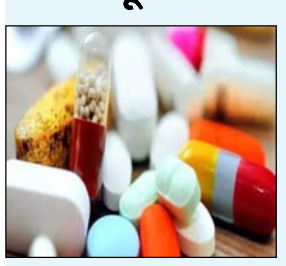

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में मरीजों की सुरक्षा और दवाओं की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा और संवेदनशील कदम उठाया है। अब नकली और घटिया दवाओं के जानलेवा जाल को तोड़ने के लिए सरकार ने वैक्सीन (टीके), एंटी-कैंसर, एंटीमाइक्रोबियल्स और नारकोटिक्स दवाओं पर क्यूआर कोड या बारकोड लगाना अनिवार्य कर दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने औषधि नियम, 1945 में संशोधन कर इन दवाओं को शेड्यूल एच2 में शामिल किया है। पहले यह नियम देश के सिर्फ शीर्ष 300 दवा ब्रांड्स पर लागू था, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ाकर गंभीर बीमारियों की दवाओं तक कर दिया गया है। इस नई ट्रैक-एंड-ट्रेस व्यवस्था के तहत निर्माताओं को दवा की प्राथमिक पैकेजिंग (जैसे स्ट्रिप या शीशी) या जगह कम होने पर सेकेंडरी पैकेजिंग पर क्यूआर कोड छापना होगा। इस कोड को स्कैन करते ही सॉफ्टवेयर के जरिये दवा की पूरी कुंडली सामने आ जाएगी। इसमें दवा का यूनिक कोड, ब्रांड का नाम, निर्माता का पता, बैच नंबर, मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट जैसी बेहद जरूरी जानकारियां डिजिटल रूप में दर्ज होंगी। इससे पूरी सप्लाई चेन में दवा के असली होने की जांच आसानी से हो सकेगी, जिससे मरीजों की जिंदगी के साथ होने वाला खिलवाड़ रुकेगा।

## राजेश एक्सपोर्ट्स की बढ़ी मुश्किलें, ईडी का आरोप- कंपनी ने विदेशी लेन-देन से जुड़े रिकार्ड्स प्रस्तुत नहीं किए

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** ईडी ने बुधवार को आरोप लगाया कि सोने की रिफाइनिंग और आभूषण बनाने वाली कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स के मुख्य कारोबारी संकेतक (की बिजनेस इंडिकेटर्स) में काफी बातें सामान्य व्यावसायिक तरीकों से अलग थीं। इसके अलावा उनमें विदेशी लेन-देन से जुड़े रिकार्ड्स भी उपलब्ध नहीं थे।

ईडी ने मंगलवार को राजेश एक्सपोर्ट्स और उससे जुड़े लोगों के विरुद्ध विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के लिए छापेमारी करने के बाद बुधवार को एक बयान जारी कर बताया कि कंपनी के विरुद्ध कम से कम पांच मामलों की पहचान की गई है और तलाशी के दौरान दोष साबित करने वाले कई दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद किए।

कंपनी ने अभी तक ईडी की कार्रवाई के बारे में कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। वहीं बांबे स्टाक एक्सचेंज ने भी कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है।

ईडी के मुताबिक, राजेश एक्सपोर्ट्स अपने विदेशी लेन-देन के दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रही, जिससे इन लेन-देन के वास्तविक होने का सत्यापन करना लगभग नामुमकिन हो गया। इन दस्तावेज में कंपनी के आयात, निर्यात, विदेशी निवेश और विदेशी व्यापार प्राप्तियां एवं भुगतान का निपटान शामिल है। ईडी ने कहा, उदाहरण के तौर पर अफ्रीकी खदानों में 1,035 करोड़ रुपये के कथित निवेश के तत्कालीन रिकार्ड व दस्तावेज न तो मिले और न ही कंपनी ने अभी तक दिए हैं।

ईडी ने दावा किया कि कंपनी के की बिजनेस इंडिकेटर्स सामान्य व्यावसायिक तरीकों से काफी अलग थे। उदाहरणार्थ, वरिष्ठ प्रबंधन को दिया जाने वाला वेतन कंपनी के ऑपरेशंस के स्केल की तुलना में बहुत कम थी।

जैसे मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) को 2020 से कोई वेतन नहीं मिला, जबकि प्रबंध निदेशक को हर माह सिर्फ 17,000 रुपये दिए गए, जबकि कंपनी ने लगभग 7.7 लाख करोड़ रुपये का समेकित राजस्व दर्ज किया था।

### वीआइपी जोन में अवैध एंट्री पर भारी जुर्माना: शतद्रु ने पूर्व खेल मंत्री के करीबी से मांगा 10 करोड़ हर्जाना

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** मशहूर फुटबॉलर लियोनेल मेसी के कोलकाता इवेंट में हुए हंगामे और अराजकता को लेकर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। अब इस हाई-प्रोफाइल मामले में इवेंट के आयोजक शतद्रु दत्ता ने कोलकाता नगर निगम के पार्षद जुई विश्वास को मानहानि और मुआवजे के लिए कानूनी नोटिस भेजा है।

शतद्रु का आरोप है कि राज्य के पूर्व खेल मंत्री अरूप विश्वास की रिश्तेदार जुई विश्वास बिना किसी आधिकारिक अनुमति और आमंत्रण के न केवल वीआइपी और सुरक्षित जोन में दाखिल हुईं, बल्कि सुरक्षा घेरा तोड़कर मेसी के साथ सेल्फी भी ली।

शतद्रु द्वारा भेजे गए नोटिस में साफ कहा गया है कि जुई की इस सुरक्षा चूक और गैर-जिम्मेदाराना हरकत की वजह से इवेंट की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनामी हुई और आयोजकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा।

उन्होंने जुई से 15 दिनों के भीतर लिखित रूप से बिना शर्त माफी मांगने और 10 करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की है। तय समय में जवाब न मिलने पर मामला अदालत ले जाने की चेतावनी दी गई है।

### सेना के शीर्ष अफसरों ने देश की रक्षा पर संसदीय समिति को दी जानकारी

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** भारतीय सेना के शीर्ष अधिकारियों ने बुधवार को रक्षा प्रमुख जनरल एनएस राजा सुब्रमणि के नेतृत्व में एक संसदीय पैनल को देश की रक्षा के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी। इसमें सभी भूमि सीमाओं और रणनीतिक तैनाती वाले क्षेत्रों के ब्योरे का भी समावेश है।

सूत्रों के अनुसार, सेना के अधिकारियों की टीम ने भाजपा सदस्य राधा मोहन सिंह की अध्यक्षता में रक्षा पर संसदीय स्थायी समिति को बताया कि सीमा और रणनीतिक स्थानों पर पर्याप्त बल तैनात किए गए हैं ताकि देश के प्रति शत्रुतापूर्ण ताकतों की किसी भी नापाक योजना को विफल किया जा सके। बुधवार की बैठक का एजेंडा रक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधियों का मौखिक साक्ष्य देश की रक्षा में भारतीय सेना की भूमिका था। सेना के शीर्ष अधिकारियों ने पैनल को जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर क्षेत्र में आंतरिक सुरक्षा के लिए बलों की तैनाती और आपदा प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी।

सूत्रों ने कहा कि समिति को सेना द्वारा अपनाई गई नई और आधुनिक तकनीक के बारे में भी बताया गया, यह एक अच्छी बैठक थी।

## फ्रॉड होने पर अब नो-टेंशन, RBI का बड़ा फैसला- क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी में ग्राहक को अस्थायी तौर पर राशि लौटाएं बैंक

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** आरबीआई ने कहा है कि क्रेडिट कार्ड के जरिये धोखाधड़ी की शिकायत मिलने के पांच दिनों में बैंक को ग्राहक को अस्थायी तौर (शैडो रिवर्सल) पर राशि वापस करनी होगी। हालांकि, अगर डिजिटल धोखाधड़ी की शिकायत पांच दिनों के बाद मिलती है तो ग्राहक की जिम्मेदारी बैंक की नीति के अनुसार तय की जाएगी।

आरबीआई ने डिजिटल ट्रांजेक्शन में ग्राहकों की देनदारी को सीमित करने के लिए संशोधित फ्रेमवर्क जारी किया है। ये नियम एक जनवरी, 2027 से लागू किए जाएंगे। संशोधित नियमों के तहत बैंक को अपने सिस्टम और प्रक्रियाओं को इस तरह बनाना चाहिए कि ग्राहक इलेक्ट्रानिक बैंकिंग ट्रांजेक्शन करने में सुरक्षित महसूस करें। साथ ही, ग्राहकों द्वारा किए जाने वाले डिजिटल ट्रांजेक्शन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बैंक को उचित सिस्टम और प्रक्रियाएं लागू करनी चाहिए।

आरबीआई ने कहा, बैंक के लिए यह जरूरी है कि वह 500 रुपये से ज्यादा कीमत वाले सभी डिजिटल ट्रांजेक्शन के लिए ग्राहकों को तुरंत एसएमएस अलर्ट भेजें, लेकिन इसके लिए उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

बैंक को मैसेज डिलीवर होने के साथ ही अगर ग्राहक कोई जवाब देता है तो उसका समय और तारीख पर रिकॉर्ड करनी होगी।

मार्च में आरबीआई ने मसौदा निर्देशों के जरिये अनधिकृत ट्रांजेक्शन में ग्राहकों की जिम्मेदारी को सीमित करने वाले मौजूदा निर्देशों का दायरा बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था। इस पर कुछ हितधारकों ने क्रेडिट कार्ड के जरिये धोखाधड़ी के मामले में अस्थायी क्रेडिट से जुड़ा प्रविधान शामिल करने का सुझाव दिया था, जिसे आरबीआई ने मान लिया है।

## बेंगलुरु में 1300 करोड़ से बनेगा फ्लाईओवर, खर्च का बोझ नागरिकों पर पड़ सकता है

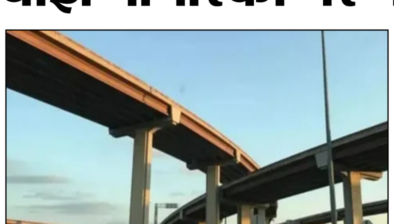

**बेंगलुरु/ जीएनएस।** स्वामी विवेकानंद मेट्रो स्टेशन (ओल्ड मद्रास रोड) से सिल्क बोर्ड जंक्शन तक प्रस्तावित 11.625 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर का खर्च लगभग 1,300 करोड़ रुपये आएगा। इसकी लागत नागरिकों से ही वसूली जाने की तैयारी है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में टोल लगाने की बजाय वैल्यू कैप्चर फाइनेंसिंग मॉडल के तहत प्रॉपर्टी टैक्स में अतिरिक्त लेवी लगाकर फंड जुटाने का सुझाव दिया गया है। इस कॉरिडोर में इंदिरानगर, डोमलूर, कोरमंगला और मदीवाला जैसे इलाके शामिल हैं।

रिपोर्ट में टोल वसूली को राजस्व के संभावित स्रोत के रूप में जांचा गया, लेकिन निष्कर्ष निकाला गया कि एलिवेटेड स्ट्रेच, रैंप, मौजूदा फ्लाईओवर और एट-ग्रेड सड़कों से युक्त खंडित संरचना के कारण यह व्यवहार्य नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, यातायात अध्ययनों से पता चला है कि टोल लगाने योग्य यातायात की मात्रा टोल संचालन को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं होगी। परिणामस्वरूप, परियोजना को बिना टोल वसूली के इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मॉडल के तहत लागू करने का प्रस्ताव है। इसके बजाय, डीपीआर वैल्यू कैप्चर फाइनेंसिंग मॉडल की सिफारिश करता है जिसके तहत कॉरिडोर के साथ बेहतर कनेक्टिविटी, यात्रा के समय में कमी और भूमि मूल्यों में वृद्धि से लाभान्वित होने वाली संपत्तियां बीबीएमपी की मौजूदा संपत्ति कर प्रणाली में एकीकृत एक समर्पित लेवी के माध्यम से परियोजना के पुनर्भुगतान में योगदान करेंगी।

## नागरिकता विवाद के बीच चुनाव आयोग ने बताया, SIR पहचान के लिए पासपोर्ट भी मान्य दस्तावेजों की लिस्ट में शामिल

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** भारतीय पासपोर्ट को लेकर चल रही देशव्यापी बहस के बीच अब चुनाव आयोग का बड़ा बयान सामने आया है। आयोग ने गुरुवार को साफ किया कि वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराने या उसे बरकरार रखने के लिए भारतीय पासपोर्ट आज भी पूरी तरह से मान्य है।

बता दें कि यह उन 12 जरूरी दस्तावेजों में से एक है, जिसे दिखाकर कोई भी व्यक्ति वोटर लिस्ट में अपनी पात्रता साबित कर सकता है। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि पासपोर्ट पहले भी पहचान साबित करने का एक जरिया था और आज भी है। इसके नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बिहार और असम में हाल ही में हुए मतदाता सूची के विशेष सुधार अभियानों में भी पासपोर्ट को मान्य दस्तावेजों की लिस्ट में रखा गया था।

भारतीय पासपोर्ट को आम तौर पर देश की नागरिकता का सबसे मजबूत दस्तावेज माना जाता रहा है। इसी के आधार पर कोई व्यक्ति विदेश यात्रा करता है, दूसरे देशों के इमिग्रेशन अधिकारियों के सामने अपनी राष्ट्रीयता बताता है और विदेश में भारतीय दूतावास से कांसुलर सहायता मांगता है। ऐसे में विदेश मंत्रालय का यह कहना कि पासपोर्ट नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं है, स्वाभाविक रूप से लोगों को चौंकाता है। सवाल यह है कि यदि पासपोर्ट, आधार, पैन या मतदाता पहचानपत्र भी अकेले नागरिकता साबित नहीं करते, तो एक भारतीय अपनी नागरिकता कैसे सिद्ध करेगा?

पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट का मूल उद्देश्य यात्रा को सुगम बनाना है। सरकार के अनुसार यह रुख नया नहीं है। भारतीय कानून में लंबे समय से पासपोर्ट और नागरिकता के बीच अंतर रखा गया है।

पासपोर्ट अधिनियम, 1967 के तहत सामान्य नियम यही है कि भारतीय नागरिक को पासपोर्ट जारी किया जाता है। आवेदन के बाद पासपोर्ट प्राधिकरण पहचान, पते और अन्य तथ्यों की जांच करता है। यदि आवेदक भारतीय नागरिक नहीं है तो पासपोर्ट देने से इन्कार किया जा सकता है।

# इंदौर पुलिस ने चलाया SAFE CLICK-2.0 अभियान

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा "SAFE CLICK-2026 साइबर जनजागरूकता अभियान के तहत लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मोहर्रम पर्व के परचम और अखाड़ों के जुलूस के दौरान भी पुलिस टीमों ने लोगों के बीच पहुंचकर साइबर सुरक्षा का संदेश दिया।

पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार संचालित इस अभियान के तहत पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शहरभर में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। बुधवार रात्रि मोहर्रम के जुलूसों में शामिल होकर पुलिस अधिकारियों और जवानों ने नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी। एडिशनल डीसीपी जोन-02 श्री अमरेंद्र सिंह ने थाना खजराना पुलिस टीम के साथ खजराना क्षेत्र में तथा एसीपी संयोगितागंज श्री तुषार सिंह ने थाना संयोगितागंज की टीम के साथ छावनी क्षेत्र में आयोजित मोहर्रम जुलूस में पहुंचकर लोगों को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान पोस्टर, बैनर और पेम्पलेट्स के माध्यम से साइबर ठगी के नए तरीकों से अवगत कराया गया और उनसे बचाव के उपाय बताए गए।

पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों को अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने, फर्जी लोन ऐप्स, ऑनलाइन नौकरी के झांसे, निवेश संबंधी धोखाधड़ी, केवाईसी अपडेट के नाम पर होने वाली ठगी और ओटीपी साझा करने जैसी गलतियों से बचने की सलाह दी। साथ ही बैंकिंग एवं डिजिटल भुगतान से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की अपील की।

इंदौर पुलिस ने लोगों से सोशल मीडिया पर प्राप्त किसी भी संदेश या सूचना को सत्यापित किए बिना आगे साझा नहीं करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। पुलिस ने बताया कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें अथवा साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

मोहर्रम जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में भी साइबर जागरूकता अभियान चलाकर इंदौर पुलिस ने यह संदेश दिया कि डिजिटल सुरक्षा आज हर नागरिक की प्राथमिक जिम्मेदारी है और सतर्कता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

# मोहर्रम को लेकर इंदौर पुलिस अलर्ट, संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च और ड्रोन निगरानी

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आगामी त्यौहारों के दौरान शहर में शांति, सुरक्षा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ कानून व्यवस्था पर नजर बनाए हुए है। पुलिस आयुक्त इंदौर द्वारा सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता और सतर्कता के साथ प्रभावी कार्रवाई करने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

इन्हीं निर्देशों के तहत गुरुवार को मोहर्रम पर्व को ध्यान में रखते हुए थाना खजराना क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला गया। एसीपी खजराना श्री कुंदन मंडलोई ने थाना प्रभारी एवं पुलिस बल के साथ क्षेत्र में पैदल मार्च कर नागरिकों से संवाद किया और शांति एवं भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने की अपील की।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया, वहीं असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाली गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

त्यौहारों के मद्देनजर पुलिस द्वारा प्रमुख मार्गों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन पेट्रोलिंग भी की जा रही है। ड्रोन कैमरों के माध्यम से गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी संदिग्ध या अवैधानिक गतिविधि की तत्काल पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

इंदौर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ त्यौहार मनाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस का उद्देश्य है कि सभी नागरिक सुरक्षित वातावरण में हर्षोल्लास के साथ अपने त्योहारों का आनंद उठा सकें।

# बिसनावदा की उचित मूल्य दुकान निलंबित, अनियमितताओं पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर जिले के ग्राम बिसनावदा स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान में लगातार मिल रही शिकायतों और सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों के आधार पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम ने कड़ी कार्रवाई करते हुए दुकान को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल.मारू ने बताया कि 30 मार्च 2026 को क्षेत्रीय कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती सुचिता दुबे द्वारा ग्राम पंचायत बिसनावदा, जनपद पंचायत इंदौर ग्रामीण में सतीमाता स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान (कोड क्रमांक 805013) की जांच की गई। जांच के दौरान दुकान पर विक्रेता नेहा एवं सहायक विक्रेता दीपक गिनावा अनुपस्थित पाए गए। साथ ही स्टॉक एवं भाव सूची बोर्ड अद्यतन नहीं मिला तथा पिछले दो माह के राशन वितरण संबंधी फ्लेक्स एवं बैनर भी अनुपस्थित पाए गए।

जांच में यह भी सामने आया कि दुकान समय पर और नियमित रूप से नहीं खोली जा रही थी। आमजन से अभद्र व्यवहार किए जाने, पीओएस मशीन से हितग्राहियों को पावती पर्ची नहीं देने तथा दबावपूर्वक चायपत्ती जैसी अन्य सामग्री देने की शिकायतें भी सही पाई गईं।

खाद्यान्न के भौतिक सत्यापन में 1.21 क्विंटल गेहूं कम तथा 36 किलो नमक अधिक पाया गया, जिससे स्टॉक में स्पष्ट अनियमितता सामने आई। इन गंभीर गड़बड़ियों के आधार पर प्रकरण दर्ज कर दुकान आवंटन प्राधिकारी कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राऊ को प्रस्तुत किया गया।

# वर्षा से पहले निगम अलर्ट- आयुक्त क्षितिज सिंघल ने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** वर्षाकाल को ध्यान में रखते हुए नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने गुरुवार को शहर के विभिन्न जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर जल निकासी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह, संबंधित जोनल अधिकारी एवं विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

आयुक्त श्री सिंघल ने बंगाली चौराहा, खजराना गणेश मंदिर रोड, विजय नगर चौराहा, रोबोट चौराहा, एमआर-10 रोड, शिव कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर वर्षा जल निकासी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टॉर्म वॉटर लाइन, ड्रेनेज चैंबर और अन्य जल निकासी तंत्र की स्थिति का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान शहर के कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति निर्मित होती है। इसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा पूर्व तैयारियों के तहत जल निकासी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी स्टॉर्म वॉटर लाइनों और ड्रेनेज चैंबरों की नियमित एवं समयबद्ध सफाई निरंतर जारी रखी जाए, ताकि बारिश के दौरान जल प्रवाह बाधित न हो। साथ ही अधिकारियों को स्टॉर्म वॉटर लाइन और ड्रेनेज लाइन का नियमित निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने उन क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा, जहां पूर्व वर्षों में जलभराव की समस्या अधिक रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्षा के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रत्येक जोनल कार्यालय में आवश्यक संसाधनों सहित टीमों को तैयार रखा जाए। फावड़ा, गेती, सब्बल, रस्सी, टॉर्च और अन्य जरूरी उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ जलभराव की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने मेट्रो परियोजना से जुड़े अधिकारियों के साथ भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि जहां-जहां मेट्रो का निर्माण कार्य चल रहा है, वहां सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त बैरिकेडिंग की जाए। साथ ही निर्माण स्थलों पर जलभराव की स्थिति न बने और यदि पानी जमा होता है तो उसकी त्वरित निकासी के लिए प्रभावी प्रबंध किए जाएं।

आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को वर्षाकाल के दौरान जल निकासी व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग करने और नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पूरी तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

# व्यापारियों और रसूखदारों ने बिगाड़ी महूनाका-फूटीकोठी सड़क की सूरत

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में पैदल चलने वालों के लिए बनाए गए फुटपाथ अब उनके काम नहीं आ रहे हैं। इन पर दुकानदारों और राहगीरों ने पूरी तरह से कब्जा कर लिया है कि आम नागरिकों और राहगीरों को सड़कों पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह हालात न सिर्फ ट्रैफिक को बाधित कर रहे हैं, बल्कि सड़क हादसों की आशंका भी दिन-ब-दिन बढ़ा रहे हैं।

महूनाका से लेकर फूटीकोठी चौराहे तक का मार्ग अतिक्रमण का ऐसा उदाहरण बन गया है, जहां कदम-कदम पर फुटपाथ पर या तो दुकानें मिलेंगी या खड़े किए गए वाहन। फुटपाथ का उपयोग अब उस उद्देश्य के लिए नहीं हो रहा, जिसके लिए वह बनाए गए थे। किसी ने सामान बाहर रख दिया है, तो किसी ने चाय-नाश्ते के स्टाल सजा दिए हैं। दुकानदार अपने व्यापार को बढ़ाने के चक्कर में फुटपाथ को दुकान के विस्तार में तब्दील कर चुके हैं। इस कारण पैदल चलने वाले राहगीरों के पास विकल्प ही नहीं बचता है। द्रविड़ नगर मेन रोड पर दुकानों का आधा हिस्सा फुटपाथ पर ही आ चुका है। किसी ने टीन शेड डाल दिया है, तो कोई टेबल कुर्सी लगाकर ग्राहकों को बैठाकर बढ़िया कमाई कर रहे हैं।

खास बात यह है कि ये अतिक्रमण न सिर्फ अस्थायी हैं, बल्कि कई जगह पक्के निर्माण भी कर लिए गए हैं। स्थानीय व्यापारियों ने बिना किसी डर के फुटपाथ को कब्जे में ले रखा है।

# 'एक बगिया मां के नाम' अभियान के तहत मल्हार आश्रम उद्यान में हुआ पौधारोपण, पूर्व राज्यपाल और विधायक ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के आह्वान पर संचालित एक बगिया मां के नाम अभियान के अंतर्गत गुरुवार को नगर निगम इंदौर द्वारा झोन क्रमांक-3 के मल्हार आश्रम उद्यान में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा शहर में हरित आवरण का विस्तार करना रहा।

इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी, विधायक श्री गोलू शुक्ला, भाजपा नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा तथा अभियान प्रभारी एवं जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी श्री राजेंद्र राठौर ने सिंदूर, नीम, बड़ और आम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने पौधारोपण के साथ पौधों की देखभाल और संरक्षण पर भी विशेष बल दिया। विधायक श्री गोलू शुक्ला ने कहा कि हरियाली बढ़ाने के लिए जनभागीदारी आवश्यक है और ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं।

जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी श्री राजेंद्र राठौर ने बताया कि एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन के प्रति नागरिकों को जागरूक करना भी है। आज पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण देने के लिए सभी की सहभागिता जरूरी है।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद श्री गजानंद गावड़े, श्री सुरेश टाकलकर, कार्यपालन यंत्री श्री शांतिलाल यादव, जोनल अधिकारी श्री राज ठाकुर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और हरित इंदौर के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया।

# आपातकाल ऐसा काला धब्बा है, जिसे मिटाया नहीं जा सकता - कप्तान सिंह सोलंकी

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आपातकाल के 51 वर्ष पर भाजपा द्वारा शुभकारज गार्डन , पिपल्यापाला चौराहे में आपातकाल की विभीषिका का काला अध्याय विषय पर भाजपा के पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री कप्तान सिंह सोलंकी, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एम. चुबा आओ, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक गोलू शुक्ला, मालिनी गौड, मधु वर्मा, श्रवण सिंह चावड़ा, सत्यनारायण सत्तन, गोपी कृष्ण नेमा, सुदर्शन गुप्ता, पूर्व राज्यपाल विष्णु सदाशिव कोकजे, बाबुसिंह रघुवंशी, ईश्वर हिंदुजा, राधेश्याम यादव, उमा नारायण पटेल, कंचन सिंह चौहान, गणेश गोयल, अजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार, लघु उद्योग निगम अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण, शांतिलाल सिंघवी की उपस्थिति में संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

# इन्दौर जिले की राजस्व सीमा में किसी भी प्रकार की भिक्षावृत्ति को पूर्ण रूप से किया गया प्रतिबंधित

## भिक्षावृत्ति की सूचना देने वाले को मिलेगी एक हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इन्दौर जिले में भिक्षावृत्ति की रोकथाम एवं इस सामाजिक बुराई का निवारण अत्यन्त आवश्यक होने से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। जिले में भिक्षावृत्ति की रोकथाम एवं इस सामाजिक बुराई के निवारण के लिये उक्त प्रतिबंधात्मक आदेश प्रभावी बनेगा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा जारी आदेशानुसार इन्दौर जिले की राजस्व सीमा अन्तर्गत किसी भी प्रकार की भिक्षावृत्ति को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है। भिक्षुओं को भिक्षा स्वरूप कुछ भी देना या उनसे किसी भी प्रकार के सामान को खरीदना प्रतिबंधित किया गया है। जो व्यक्ति भिक्षुओं को भिक्षा स्वरूप कोई चीज प्रदान करता है या देता है या इनसे कोई सामान खरीदता है तो उसके विरूद्ध भी इस आदेश के उल्लंघन के लिए कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

यदि कहीं कोई व्यक्ति भिक्षावृत्ति करता पाया जाता है, तो उसकी सूचना कोई भी व्यक्ति महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी श्री दिनेश मिश्रा के मोबाईल नंबर 9691494951 पर दे सकता है, यदि सूचना सत्यापन के दौरान सही पाई जाती है तो संबंधित व्यक्ति को एक हजार रूपये की राशि प्रोत्साहन के रूप में प्रदान की जायेगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है तथा इसका उल्लंघन करने वाले व्यक्ति/संस्था/आयोजक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अन्तर्गत कार्यवाही की जा सकेगी।

# अग्रिम कर भुगतान पर आकर्षक छूट का अंतिम मौका, 30 जून तक लाभ उठा सकते हैं करदाता

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर निगम इंदौर द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संपत्तिकर एवं जलकर के अग्रिम भुगतान पर दी जा रही विशेष छूट योजना का लाभ लेने के लिए अब केवल पांच दिन शेष हैं। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल एवं राजस्व प्रभारी श्री निरंजन सिंह चौहान (गुड्डू) ने शहर के सभी करदाताओं से 30 जून 2026 तक अग्रिम कर भुगतान कर योजना का लाभ लेने की अपील की है।

नगर निगम द्वारा अग्रिम कर भुगतान करने वाले नागरिकों को संपत्तिकर पर 6.25 प्रतिशत तथा जलकर पर 6 प्रतिशत की आकर्षक छूट प्रदान की जा रही है। यह विशेष रियायत केवल 30 जून तक करों का अग्रिम भुगतान करने पर ही उपलब्ध रहेगी।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने नागरिकों से समय पर कर भुगतान करने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे एक ओर जहां करदाताओं को आर्थिक लाभ मिलेगा, वहीं दूसरी ओर वे शहर के विकास कार्यों में भी अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा सकेंगे।

आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने बताया कि करदाताओं की सुविधा के लिए नगर निगम ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से कर भुगतान की व्यवस्था उपलब्ध कराई है। नागरिक अपने संबंधित जोन कार्यालयों, नागरिक सुविधा केंद्रों तथा निगम के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आसानी से कर जमा कर सकते हैं।

करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने 26 और 27 जून को अवकाश होने के बावजूद सभी कैश काउंटर खुले रखने का निर्णय लिया है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक अंतिम तिथि से पहले अपने करों का भुगतान कर सकें। आयुक्त ने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कैश काउंटरों पर आने वाले नागरिकों के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था, पेयजल सहित आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। नगर निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अंतिम दिनों की भीड़ से बचते हुए समय रहते अपने संपत्तिकर एवं जलकर का अग्रिम भुगतान करें और उपलब्ध छूट का लाभ उठाएं।

# इंदौर के पॉश क्षेत्र तुलसीनगर में अवैध शराब निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़

## अंतरराज्यीय शराब तस्कर गिरोह के नेटवर्क के संकेत - जाँच जारी

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला प्रशासन एवं आबकारी विभाग द्वारा मुश्तैदी से समय रहते की गई सुनियोजित कार्रवाई में इंदौर के तुलसीनगर क्षेत्र में संचालित एक अवैध मदिरा निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया गया है। इस अवैध गतिविधि पर समय रहते अंकुश लगाए जाने से संभावित अप्रिय घटनाओं तथा जनस्वास्थ्य एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े गंभीर जोखिमों को टालने में सफलता मिली है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार तथा सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत आबकारी विभाग ने यह महत्वपूर्ण कार्रवाई की। कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल, सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री जहांगीर खान एवं श्री सी.के. साहू के नेतृत्व में गठित टीमों ने लगभग तीन दिनों तक सिविल ड्रेस में गोपनीय निगरानी और रेकी कर संदिग्ध गतिविधियों की पुष्टि की। इसके पश्चात योजनाबद्ध ढंग से की गई दबिश में तीन मंजिला भवन के भीतर संचालित अवैध मदिरा निर्माण एवं पैकेजिंग इकाई का खुलासा हुआ।

कार्रवाई के दौरान 144 बल्क लीटर (16 पेटी) मदिरा के साथ भारी मात्रा में स्प्रिट, कैरेमल, पैकेजिंग सामग्री, हजारों की संख्या में डुप्लीकेट लेबल एवं होलोग्राम, विभिन्न ब्रांडों के बाटल कैप, कागजी कार्टून, दो बड़ी ब्लेंडर मशीनें तथा मदिरा निर्माण एवं पैकिंग में प्रयुक्त अन्य उपकरण जब्त किए गए। बरामद सामग्री से यह स्पष्ट हुआ है कि अवैध रूप से मदिरा निर्माण कर उसे वैध उत्पाद के रूप में बाजार में खपाने का प्रयास किया जा रहा था।

प्राथमिक जांच में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में विक्रय होने वाली मदिरा के लेबलों के साथ राजस्थान में प्रचलित विभिन्न ब्रांडों के लेबल, होलोग्राम एवं पैकेजिंग सामग्री भी बरामद हुई है। इससे एक संगठित अंतरराज्यीय अवैध मदिरा निर्माण एवं तस्करी नेटवर्क के सक्रिय होने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

# इंदौर जिले में बारिश को देखते हुए जोखिम भरे और एकान्त क्षेत्रों में रहेगा जन सामान्य का प्रवेश प्रतिबंधित

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जन सामान्य के जीवन की सुरक्षा को देखते हुये तथा हादसों की रोकथाम के लिए इंदौर जिले के जोखिम भरे और एकान्त क्षेत्रों में जन सामान्य के प्रवेश को प्रतिबंधित किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है। जारी आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किया जायेगा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) (2) के तहत जारी किया गया है। जारी आदेशानुसार महू तहसील क्षेत्रों में स्थित तिंछा फॉल , चोरल फॉल, चोरल डेम, सीतलामाता फॉल, कजलीगढ़, मेहन्दी कुण्ड़, जामन्या कुण्ड, मोहाडी फॉल, रतबी वाटर फॉल, लोहिया कुण्ड, जूनापानी, मेहंदी कुण्ड, चिड़िया भड़क, बामनिया कुण्ड, जोगी भड़क, हत्यारी खो आदि पर्यटन स्थलों पर प्रतिबंधित क्षेत्रों व एकान्त क्षेत्रों में जन सामान्य के प्रवेश को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है। संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अथवा मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद द्वारा तत्काल उनके क्षेत्र में आने वाले पर्यटन क्षेत्र के आवश्यक स्थानों पर इस आशय के सूचना बोर्ड भी लगाये जायेंगे। निर्देश दिये गये है कि जहाँ आवश्यक हो, वहाँ सीमाएँ भी निर्धारित की जाये। संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी इस आदेश का पालन सुनिश्चित करायेंगे। यदि कोई व्यक्ति उपर्युक्त आदेश का उल्लंघन करेगा तो उसके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी।

# सत्ता एवं भाजपा के मुकाबले के लिये कांग्रेस को युद्ध स्तर पर उतरना होगा- वरिष्ठ पत्रकार विक्रम विद्यार्थी

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजयसिंह ने मंदसौर संसदीय क्षेत्र में लगभग तीस घण्टे कार्यकर्ताओं एवं नेताओं के साथ बिताकर संदेश दिया कि 25 वर्ष की प्रदेश में सत्ता एवं भाजपा के मुकाबले के लिये कांग्रेस को युद्ध स्तर पर उतना होगा।

यह बात वरिष्ठ पत्रकार विक्रम विद्यार्थी ने बताते हुए आगे कहा कि श्री सिंह के दौरे से जावरा से लेकर नीमच तक कांग्रेसजनों में उत्साह एवं ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता आपस की स्पर्धा छोड़ भाजपा का मुकाबला करें अन्यथा परिणाम अनुकूल नहीं मिल पाएंगे। वे दर्जनों नेताओं के घर पहुंचे। एक मैदानी कार्यकर्ता ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि वे जो नेता एवं कायकर्ता उनकी परिक्रमा करते हैं के बजाए वरिष्ठ एवं बुजुर्ग नेताओं के घर अधिक जगह जाते तो बेहतर होता। वैसे 93 वर्षीय पूर्व विधायक रामगोपाल भारतीय, 81 वर्षीय त्रिदेव पाटीदार जो पूर्व श्रममंत्री श्यामसुंदर पाटीदार के पुत्र, 81 वर्षीय वरिष्ठ पत्रकार इस अंचल के सबसे पुराने समाचार पत्र दैनिक ध्वज के प्रधान सम्पादक सुरेन्द्र लोढ़ा से मिले एवं उनसे कुशलक्षेम पूछी सबको अच्छा लगा। वरिष्ठ नेता के सम्मान में स्नेहभोजन भी रखा गया। उसमें बैठक के बाद एक साथ भोजन करने का आनन्द भी नहीं मिल पाया। कांग्रेस को इस अंतर को पाटना होगा।

वरिष्ठ पत्रकार विक्रम विद्यार्थी ने कहा कि राहुल भैया के कांग्रेस कार्यकर्ता जन सम्पर्क में उनके पिताश्री पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, पूर्व राज्यपाल, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्जुनसिंहजी का स्मण सहज भाव से हो गया जिन्होंने पूर्व श्रममंत्री श्यामसुंदर पाटीदार, पूर्व गृहमंत्री भारतसिंह जावरा एवं बाद में प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बने दिग्विजयसिंह सहित अन्य नेताओं के सहयोग से भाजपा बनाम जनसंघ जनता पार्टी के गढ़ में सेंध लगाकर वीरेन्द्रकुमार सखलेचा, सुंदरलाल पटवा जो एक समय मुख्यमंत्री बने थे, कांग्रेस को मजबूत किया था। अजयसिंह ने प्रदेश के लगभग 39 जिलों में दौरा कर कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं से संपर्क किया, शेष 13-14 जिलों में भी वे दस्तक देंगे।

राहुल भैया को गांधीवादी नेता श्यामसुंदर पाटीदार स्मृति ग्रंथ भेंट किया गया। वह क्षण सभी की स्मृति में कैद हो गया। प्रदेश एवं मंदसौर संसदीय क्षेत्र में भाजपा एवं सत्ता का मुकाबला करने के लिए अर्जुनसिंह जैसे नेता की योजना को मूर्त रूप देना होगा। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमेश सिंघार, वरिष्ठ नेता अरूण यादव, मीनाक्षी नटराजन, कमलेश्वर पटेल, गोविंदसिंह सहित सभी वरिष्ठ नेताओं को साथ लेना होगा। कोई एक अकेला नेता प्रदेश में कांग्रेस को सत्ता नहीं दिला पाएगा। वरिष्ठतम नेता दिग्विजयसिंह एवं कमलनाथ की उपेक्षा भी कांग्रेस को कमजोर ही करेगी। इन नेताओं का परिश्रम वर्ष 2028 में विधानसभा चुनाव में क्या नतीजा देगा, यह उसी समय पता चलेगा। नेता कार्यकर्ता की मेहनत पर निर्णय तो अंततोगत्वा मतदाता ही करेगा।

## दलौदा से आकोदड़ा-करजू सड़क मार्ग का चौड़ीकरण आवश्यक

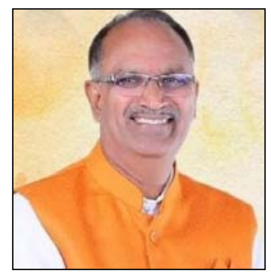

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** दलौदा से आकोदड़ा-करजू सड़क मार्ग लंबाई लगभग 15 किलोमीटर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनी हुई है, इस सड़क मार्ग से दलोदा आने के लिए लगभग 20 से 25 गावों का सीधा संपर्क है। दलौदा कृषि उपज मंडी, रेलवे स्टेशन, व्यापार व्यवसाय का केंद्र, तहसील कार्यालय, पुलिस थाना, शासकीय महाविद्यालय, निजी विद्यालय आदि यहां है। दलौदा अब नगर परिषद की ओर बढ़ रहा है। इसका चौड़ीकरण आवश्यक है। उक्त मांग पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर की है। पत्र में आपने कहा कि यह सड़क मार्ग लगभग तीन साढे तीन मीटर चौड़ा है। इस मार्ग पर कई विद्यालय, पेट्रोल पंप, वेयर हाउस, गिट्टी क्रेशर मशीन, बैंक, सोसायटी, मगरा माताजी का प्रसिद्ध मंदिर, नई आबादियां हैं। इस कारण लगातार यातायात का दबाव बना रहता है। इस मार्ग को लगभग साढ़े पांच मीटर चौड़ीकरण किए जाने की जरूरत है। श्री सिसोदिया ने कहा कि क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने आग्रह किया है कि यह मार्ग अति शीघ्र चौड़ीकरण में तब्दील हो जाए, क्योंकि इसकी अति आवश्यकता है। संकरी पुलिया होने के कारण लगातार इस मार्ग पर दुर्घटनाएं भी घट रही है। पत्र में श्री सिसोदिया ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से आग्रह किया है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत इस मार्ग का उन्नयन्न करते हुए इसे योजना में शामिल कर इसकी शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का कष्ट करें।

## वरिष्ठ पत्रकार अशोक झलोया को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, नई दिल्ली द्वारा महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष अशोक झलोया को समाज की उल्लेखनीय सेवा एवं जीवनभर समाज के लिए सक्रिय भूमिका निभाने हेतु लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि अशोक झलोया पिछले 6 माह से अस्वस्थ होने के कारण पुणे-मुंबई महाराष्ट्र में चिकित्सा करवा रहे थे। हाल ही में संपन्न हुए महासभा की प्रदेश कार्य समिति एवं जिला सम्मेलन में यह सम्मान दिया जाना था, परंतु उनकी अनुपस्थिति में उन्हें यह सम्मान अब स्वस्थ होकर मंदसौर लौटने पर महासभा के पदाधिकारियों ने उनके निवास पहुंचकर सम्मानित किया। अभा जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उप प्रधान शिव कुमार शर्मा राष्ट्रीय राष्ट्रीय संगठन मंत्री सत्यनारायण शर्मा महासभा के जिला अध्यक्ष अनिल तिवारी पूर्व जिला अध्यक्ष सुधीर शर्मा शिक्षाविद देवेंद्र अडावदिया, जांगिड़ ब्राह्मण सुथार पंचायत चंद्रपुर ट्रस्ट उसके सचिव चंद्रशेखर तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मांगीलाल झटावा, कोषाध्यक्ष रणछोड़ हंसवार,ट्रस्टी अंकित झलोया, अंगीराङ्क ऋषि शिक्षण संस्थान संस्थान के अध्यक्ष अर्जुन झलोया आदि सभी पदाधिकारियों ने श्री झलोया के स्वास्थ्य की जानकारी ली एवं महासभा की ओर से अवार्ड व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। श्री झलोया ने पत्रकारिता के साथ-साथ जीवनभर समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाई है। बीमारी के दौर में भी उनका संघर्ष और स्वाभिमान समाज के लिए प्रेरणा बना। सभी पदाधिकारी ने ऐसा ही सहयोग हमेशा बनाए रखें हमेशा मार्गदर्शन करते रहे यही अपेक्षा की है।

## नरसिंहपुरा में स्थित अतिप्राचीन श्री नरसिंह मंदिर परिसर में दादी रानी सती के मंगल पाठ का हुआ भव्य आयोजन

**श्री लक्ष्मी- नरसिंह एवं दादी रानी सती धाम की 27 जून को होगी प्राण प्रतिष्ठा, अग्रवाल समाज द्वारा निकाली जाएगी स्वर्ण कलश यात्रा**

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नरसिंहपुरा क्षेत्र में अति प्राचीन श्री नरसिंह मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य , कुलदेवी माँ महालक्ष्मी मन्दिर एवं दादी रानी सती धाम मन्दिर का पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत शुक्रवार 26 जून को मंदसौर नगर में निकलेगी स्वर्ण कलश यात्रा एवं 27 जून शनिवार को होगा विधि विधान से प्रतिष्ठा महोत्सव। प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत प्रतिदिन 22 जून से हवन पूजन एवं अनुष्ठान विद्वान प्रतिष्ठाचार्य डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी मुंबई के सानिध्य में चल रहे हैं। पांच दिवसीय उत्सव को लेकर अग्रवाल समाज में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

मातृशक्ति एवं भाईयों ने अपने हाथों पर मेहंदी रचाई तो गुरुवार 25 जून को दादी रानी सती के पाठ में बड़ी संख्या में समाज जनों ने भाग लिया। अग्रवाल समाज नरसिंह मंदिर ट्रस्ट द्वारा नरसिंह पूरा क्षेत्र में अति प्राचीन भगवान श्री नरसिंह मंदिर का डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से मकराना के सफेद पत्थर से निर्माण करवाया गया। भगवान श्री पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर में नरसिंह भगवान की प्रतिमा काफी अद्भुत और चमत्कारिक है। इसी मन्दिर परिसर में माता लक्ष्मी जी और दादी रानी का मन्दिर बनाया गया है जो मंदसौर शहर में अभी तक नहीं था। 26 जून शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे निकलने वाली शोभायात्रा में तीन स्वर्ण कलश शोभा यात्रा की शोभा बढ़ायेंगे। नरसिंह मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप गनेडीवाल , उपाध्यक्ष श्री आशीष गुप्ता, मुरलीधर एरन, सचिव ओमप्रकाश मित्तल, सहसचिव सुनील बंसल, कोषाध्यक्ष विश्वमोहन अग्रवाल, ट्रस्टी गण सर्व रामेश्वर गर्ग, विकास अग्रवाल, गोपाल कृष्ण मंगल, संजय मित्तल ( बबलू, ) संतोष गोयल (चौधरी), विनय अग्रवाल, एवं दिलीप अग्रवाल ने बताया कि भगवान श्री लक्ष्मी नरसिंह एवं दादी रानी सती धाम को आकर्षक विद्युत साज सज्जा, नोट की माला तथा फूलों से सजाया जा रहा है। 26 जून शुक्रवार को स्वर्ण कलश यात्रा जनकपुरा गणपति चौक स्थित नरसिंह मन्दिर से दोपहर 2.30 बजे गाजे बाजे के साथ निकलेगी, जो कि अशोक टाकीज, शुक्ला चौक, नयापूरा रोड, माहेश्वरी धर्मशाला, जीवागंज, नरसिंह पूरा रोड होते हुए नरसिंह मंदिर पहुंचेगीद्य शोभा यात्रा का रास्ते भर 25 से अधिक स्थानों पर विभिन्न समाज द्वारा स्वागत किया जाएगा। गुरुवार को नरसिंहपुरा स्थित अग्रसेन मांगलिक भवन परिसर में दादी रानी सती का मंगल पाठ का आयोजन रतलाम की मंडली द्वारा किया गया जिसमें समाज की मातृशक्ति ने बड़ी संख्या में उत्साह के साथ भाग लिया।

## पिपलिया में जर्जर भवनों पर चला बुलडोजर, नगर परिषद ने की कार्रवाई

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पिपलिया नगर परिषद ने गुरुवार को नगर क्षेत्र में जर्जर एवं खतरनाक भवनों को हटाने की कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। प्रशासन के निर्देशानुसार बारिश के मौसम में किसी भी प्रकार की जनहानि रोकने के उद्देश्य से चिन्हित जर्जर भवनों को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान सीएमओ प्रवीण सेन, उपयंत्री राजेश उपाध्याय, राजस्व प्रभारी महेंद्रसिंह, दरोगा दिनेश चौहान सहित नगर परिषद का अमला मौजूद रहा। नगर परिषद ने जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर परिषद कार्यालय के सामने स्थित जैन मंदिर गली में दो जर्जर मकानों को बुलडोजर से ध्वस्त किया। इसके अलावा चोपाटी क्षेत्र में भी दो जर्जर गैलरियों को गिराया गया। सीएमओ प्रवीण सेन ने बताया कि बारिश के दौरान पुराने और क्षतिग्रस्त भवन दुर्घटना का कारण बन सकते हैं, इसलिए सुरक्षा की दृष्टि से यह कार्रवाई की जा रही है। नगर परिषद ने नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई जर्जर एवं खतरनाक भवन हो तो उसकी जानकारी प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर जनहानि को रोका जा सके।

## मंदसौर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर ट्रक में घुसी कार, महाराष्ट्र के चार लोगों की मृत्यु

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सीतामऊ थाना क्षेत्र के तहत ग्राम तितरोद के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर गुरुवार सुबह करीब 11 बजे तेज रफ्तार कार आगे जा रहे ट्रक में घुस गई। हादसे में महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर क्षेत्र के चार लोगों की मृत्यु हो गई, वहीं दो गंभीर घायल हैं। पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह लगभग 11 बजे बजे एक्सप्रेस वे पर मंदसौर जिले के ग्राम तितरोद के पास हादसा हुआ। बताया जा रहा है महाराष्ट्र के औरंगाबाद क्षेत्र से कार(एमएच 20 जीई 7359) में सवार छह लोग कोटा की तरफ जा रहे थे। कार की गति काफी तेज थी और आगे जा रहे ट्रक में घुस गई। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। दूसरे वाहन चालकों और आसपास के ग्रामीणों ने मौके से घायलों ओर मृतकों को बाहर निकाला। सभी घायल और मृतक कार में बुरी तरह से फस गए थे। हादसे में सभी प्रभवितों को सीतामऊ अस्पताल लाया गया। यहां चार लोगों की मौत की पुष्टि की गई। वहीं दो गंभीर घायलों को मंदसौर भेजा गया है। अभी पुलिस ने रविंद्र काले निवासी शास्त्री नगर, जवाहर कॉलोनी, छत्रपति संभाजीनगर व सचिन गंगाधर गजभारे निवासी नाहर क्लिनिक समोर छत्रपति संभाजीनगर की पहचान की है।

## बच्चों को मिलेगा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का प्रशिक्षण, नीमच में 30 दिवसीय निःशुल्क थिएटर कार्यशाला का शुभारंभ

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली द्वारा कलाव्योम फाउंडेशन एवं रंगाभास नाट्यशाला के सहयोग से शहर के फ्यूचर प्राइड स्कूल में 30 दिवसीय निःशुल्क चिल्ड्रेन थिएटर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस विशेष कार्यशाला में जिले के विभिन्न विद्यालयों से चयनित प्रतिभाशाली बच्चे भाग ले रहे हैं। आगामी 24 जुलाई तक चलने वाली इस कार्यशाला में बच्चों को रंगमंच की विविध विधाओं का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

कार्यशाला का संचालन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के स्नातक एवं अनुभवी रंगकर्मी सुशीलकांत मिश्रा के निर्देशन में किया जा रहा है। वहीं प्रशिक्षक सावित्री मिश्रा बच्चों को अभिनय, संवाद-अभिव्यक्ति, मंच अनुशासन, शरीर और स्वर के प्रभावी उपयोग, समूह कार्य, रचनात्मक सोच तथा नाट्य प्रस्तुतियों की तकनीकों का प्रशिक्षण देंगी। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को खेल-खेल में थिएटर की बुनियादी समझ विकसित कराई जाएगी, जिससे उनके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास का भी विकास होगा।

कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर कलाव्योम फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीमाल ने कहा कि रंगमंच केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त साधन भी है। उन्होंने कहा कि थिएटर बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता विकसित करता है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय जैसी प्रतिष्ठित संस्था के सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की रंगमंचीय प्रशिक्षण प्रक्रिया से जोड़ने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अधिकांश बच्चे मोबाइल और डिजिटल माध्यमों में अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। ऐसे में थिएटर जैसी रचनात्मक गतिविधियां बच्चों को वास्तविक जीवन से जोड़ने, उनकी कल्पनाशक्ति को विकसित करने और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करने का कार्य करती हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों को कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं समाजसेवी सुखलाल पवार ने अपने संबोधन में कहा कि कला और संस्कृति किसी भी समाज की पहचान होती है। बच्चों में सांस्कृतिक चेतना का विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि थिएटर बच्चों को अनुशासन, सामूहिकता, सहयोग और जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाता है। ऐसे प्रशिक्षण शिविर बच्चों को अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें मंच प्रदान करने का अवसर देते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, कलाव्योम फाउंडेशन एवं रंगाभास नाट्यशाला द्वारा किए जा रहे इस प्रयास की सराहना की।

कार्यशाला के निर्देशक सुशीलकांत मिश्रा ने प्रतिभागी बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि थिएटर सीखने की प्रक्रिया आनंद, अनुभव और अभिव्यक्ति पर आधारित होती है। आगामी 30 दिनों में बच्चे अभिनय के साथ-साथ मंच सज्जा, चरित्र निर्माण, कहानी को मंच पर जीवंत बनाने की कला और समूह में कार्य करने की विधियों से भी परिचित होंगे। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य केवल एक नाटक तैयार करना नहीं, बल्कि बच्चों के भीतर रचनात्मकता, आत्मविश्वास, संवाद कौशल और संवेदनशीलता का विकास करना है।

कार्यक्रम का संचालन राजेश सोलंकी ने किया। उन्होंने कार्यशाला की रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण बच्चों को कला के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करेगा और उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगा।

अंत में उमेश किलोरिया ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग से यह कार्यशाला सफल होगी और बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होगी।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागी बच्चे, उनके अभिभावक, कला प्रेमी एवं रंगमंच से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कार्यशाला का समापन 24 जुलाई को होगा, जहां बच्चों द्वारा तैयार किए गए नाटक का सार्वजनिक मंचन किया जाएगा। इस प्रस्तुति में प्रतिभागी अपने प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल का प्रदर्शन करेंगे और दर्शकों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा से रूबरू कराएंगे।

## 29 जून को नीमच दौरे पर आएंगे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

**नीमच, जावद और रामपुरा में होंगे कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम, प्रशासन अलर्ट**

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 जून को नीमच जिले के दौरे पर आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री इस दौरान नीमच, जावद के सिंगोली और मनासा विधानसभा क्षेत्र के रामपुरा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं तथा अधिकारियों की बैठकों का दौर भी तेज हो गया है।

विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यह दौरा राजनीतिक और विकासात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रस्तावित कार्यक्रमों में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण, भूमिपूजन, जनप्रतिनिधियों से मुलाकात तथा आमजन को संबोधित करने जैसे आयोजन शामिल हो सकते हैं। हालांकि अंतिम कार्यक्रम और समय-सारणी की आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कलेक्टर कार्यालय, पुलिस विभाग और संबंधित प्रशासनिक अमले को आवश्यक तैयारियों के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, कार्यक्रम स्थलों की व्यवस्थाएं तथा जनसभा स्थलों का निरीक्षण भी शुरू कर दिया गया है।

## चाय से उकेरी मोदी की तस्वीर, नीमच के युवा कलाकार राहुल की अनूठी कला बनी चर्चा का विषय

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रतिभा और जुनून के सामने संसाधनों की कमी कभी बाधा नहीं बनती। इसका जीवंत उदाहरण नीमच जिले के युवा कलाकार राहुल कुमार लोहार ने पेश किया है। ग्रामीण परिवेश से आने वाले राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऐसा आकर्षक चित्र तैयार किया है, जिसे किसी रंग या पेंट से नहीं, बल्कि चाय के माध्यम से उकेरा गया है। उनकी यह अनूठी कलाकृति सोशल मीडिया से लेकर कला प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

राहुल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के संघर्षपूर्ण जीवन और साधारण पृष्ठभूमि से देश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुंचने की यात्रा ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया है। इसी सोच के साथ उन्होंने चाय को अपनी कला का माध्यम बनाया, ताकि प्रधानमंत्री के जीवन से जुड़े उस संघर्ष और मेहनत को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाया जा सके, जिसने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इस विशेष पेंटिंग में केवल प्रधानमंत्री मोदी का चित्र ही नहीं, बल्कि पिछले 12 वर्षों में देश में हुए प्रमुख विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को भी कलात्मक रूप से स्थान दिया गया है। चित्र में राम मंदिर निर्माण, चंद्रयान मिशन, जी-20 शिखर सम्मेलन, स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, वंदे भारत ट्रेन, मेक इन इंडिया, आयुष्मान भारत, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी उपलब्धियों को प्रतीकों के माध्यम से दर्शाया गया है।

राहुल की इस रचना को स्थानीय नागरिकों, कला प्रेमियों और युवाओं से सराहना मिल रही है। लोगों का कहना है कि सीमित संसाधनों के बावजूद इस तरह की रचनात्मक सोच और मेहनत युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। कई कला प्रेमियों ने इसे नवाचार और सृजनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है।

राहुल का मानना है कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए समर्पण, निरंतर अभ्यास और अलग सोच जरूरी है। उनका कहना है कि यदि व्यक्ति अपनी प्रतिभा पर विश्वास रखे तो साधारण माध्यमों से भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

राहुल लोहार की यह अनूठी कलाकृति न केवल उनकी कला का परिचय देती है, बल्कि नीमच जिले की प्रतिभा को भी नई पहचान दिला रही है। कला जगत से जुड़े लोगों का मानना है कि ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं को उचित मंच और प्रोत्साहन मिले तो वे राष्ट्रीय स्तर पर जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं।

## नीमच जिला अस्पताल में बड़ी लापरवाही! पूरी रात बेड पर रखे रहे इंजेक्शन, प्रसूता तड़पती रही

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला चिकित्सालय एक बार फिर स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही को लेकर सवालों के घेरे में है। इस बार मामला एक प्रसूता महिला से जुड़ा है, जिसे ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों द्वारा लिखे गए जरूरी इंजेक्शन और दवाएं समय पर नहीं दी गईं। आरोप है कि नर्सिंग स्टाफ रात में इंजेक्शन और दवा मरीज के बेड पर रखकर चला गया, लेकिन पूरी रात उन्हें लगाने कोई नहीं आया।

जानकारी के अनुसार मनासा क्षेत्र के ग्राम अलहैड़ निवासी सीमा धनगर को प्रसव के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। 22 जून को उनका ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन के बाद चिकित्सकों ने नियमित रूप से दवाएं और इंजेक्शन देने के निर्देश दिए थे। परिजनों का आरोप है कि बुधवार रात करीब 9 बजे नर्सिंग स्टाफ तीन इंजेक्शन और एक दवा की बोतल बेड पर रखकर चला गया। कई बार याद दिलाने के बावजूद कोई कर्मचारी वापस नहीं आया।

सुबह जब परिजनों ने देखा कि इंजेक्शन और दवाएं उसी स्थिति में पड़ी हैं, तो उन्होंने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई। परिजनों का कहना है कि यदि समय पर उपचार नहीं मिलता तो मरीज की स्थिति गंभीर हो सकती थी।

प्रसूता सीमा धनगर ने बताया कि ऑपरेशन के बाद उन्हें टांकों में दर्द और उठने-बैठने में परेशानी हो रही थी। ऐसे समय में चिकित्सकीय निर्देशानुसार उपचार मिलना बेहद जरूरी था, लेकिन पूरी रात दवाएं नहीं दिए जाने से उन्हें शारीरिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी। मामला सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र पाटिल तक पहुंचा तो उन्होंने घटना को गंभीर बताते हुए स्वीकार किया कि इंजेक्शन भरकर रख दिए गए थे, लेकिन मरीज को लगाए नहीं गए। उन्होंने कहा कि ड्यूटी पर मौजूद नर्सिंग स्टाफ से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा तथा संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिविल सर्जन ने यह भी माना कि जिला अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ की कमी है, लेकिन यह किसी भी प्रकार की लापरवाही का कारण नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा और उपचार सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस घटना के बाद जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि अस्पताल में लगातार लापरवाही की शिकायतें सामने आती हैं, लेकिन सुधार के दावे जमीनी स्तर पर नजर नहीं आते।

## राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 28 से 30 जून तक

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** देश व प्रदेश के साथ जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने हेतु राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन जिले में 28 से 30 जून 2026 तक किया जाएगा। पहले दिन 28 जून को समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पोलियो बूथ पर पोलियों खुराक पिलाई जावेगी। दूसरे व तीसरे दिन 29-30 जून को बूथ पर छूटे बच्चों को घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि एक भी बच्चा छूटने पर सुरक्षा चक्र टूट सकता है। विभागीय चिकित्सकों व कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, जन अभियान परिषद आपसी समन्वय से कार्य करेंगे। विकासखण्ड स्तर पर एसडीएम के नेतृत्व में ब्लॉक स्तरीय टास्क फोर्स बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। अभियान के तहत 5 वर्ष तक के 1,03,707 बच्चों को दवा पिलाई जाएगी।

जिले में कुल 802 दल, 18 ट्रांजिट दल, 21 मोबाइल दल गठित किए गये है। ट्रांजिट व मोबाइल दल रेल्वे स्टेशन, ईंट भट्टा क्षेत्र व सुदूर अंचलों में दवा पिलाएंगे।

अभियान के सुपरविजन के लिए 107 सुपरवाइजर तैनात किए गये है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ.रितेश बजाज ने कर्मचारियों को हाई रिस्क एरिया, कंस्ट्रक्शन साइट, ईंट भट्टा व शहरी सघन बस्तियों हेतु विशेष कार्ययोजना के संबंध में प्रशिक्षण दिया है।

## सम्पादकीय

# सत्ता नहीं, मिट्टी की राजनीति का आखिरी योद्धा – सुभाष यादव

कुछ लोग इतिहास में दर्ज होते हैं, कुछ लोग भूगोल में बस जाते हैं। सुभाष यादव उन विरले जननेताओं में थे, जिनकी स्मृति केवल पुस्तकों या राजनीतिक अभिलेखों में नहीं, बल्कि निमाड़ की मिट्टी, नर्मदा की लहरों और किसानों की आँखों में आज भी जीवित है। 26 जून की पुण्यतिथि हमें केवल एक पूर्व उपमुख्यमंत्री म.प्र. शासन को याद करने का अवसर नहीं देती, बल्कि उस विचारधारा के सामने खड़ा करती है जिसने राजनीति को सत्ता का मार्ग नहीं, समाज परिवर्तन का साधन माना। बोरावां की धरती पर जन्मा यह व्यक्तित्व आज भी इस प्रश्न का उत्तर है कि जननेता आखिर बनता कैसे है।

1 अप्रैल 1946 को एक साधारण कृषक परिवार में जन्मे सुभाष यादव ने कृषि स्नातक की शिक्षा प्राप्त की, पर उनकी सबसे बड़ी पाठशाला खेत और किसान रहे। वे उन नेताओं में नहीं थे जो गाँवों को भाषणों में खोजते हैं; वे गाँवों की धड़कनों में बसते थे। उनके व्यक्तित्व में मिट्टी की सादगी और नर्मदा की गहराई का अद्भुत संगम था। मिट्टी की गंध पढ़ना, मौसम की भाषा समझना और किसान की आँखों में छिपी चिंता पहचानना उनकी स्वाभाविक क्षमता थी। इसी कारण निमाड़ में हरित क्रांति की चर्चा जब भी होती है, सुभाष यादव का नाम केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि परिवर्तन के अग्रदूत के रूप में लिया जाता है।

सहकारिता आंदोलन की चर्चा सुभाष यादव के बिना अधूरी है। 1971 में प्राथमिक सहकारी समिति के सदस्य के रूप में शुरू हुई उनकी यात्रा उन्हें लंबे समय तक मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक के नेतृत्व तक ले गई। उन्होंने सहकारिता को आर्थिक व्यवस्था नहीं, सामाजिक न्याय का मंत्र बनाया। जवाहरलाल सहकारी सूत मिल और सहकारी शक्कर कारखाने की स्थापना उनके चिंतन की उपज थी। विदेशों में देखे गए प्रयोगों को उन्होंने निमाड़ की धरती पर उतारा। किसानों को बीज, ऋण और बाज़ार की सुलभ व्यवस्था देकर उन्होंने आत्मनिर्भरता की नींव रखी, जिसका लाभ आज भी हजारों परिवारों को मिल रहा है। एनएएफएससीओबी का 'सुभाष यादव अवॉर्ड' उनकी विरासत का प्रतीक है।

राजनीति में आने के बाद भी उनका मूल चरित्र नहीं बदला। वे उन नेताओं में नहीं थे जो जनता से केवल चुनाव के समय मिलते हैं। उनके लिए जनता ही राजनीति का केंद्र थी। 1980 और 1985 में खरगोन से लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद भी उन्होंने अपनी जड़ों से दूरी नहीं बनाई। बाद में कसरावद से विधायक बनकर उन्होंने जनविश्वास की मिसाल स्थापित की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन को एकजुट रखा। उनकी राजनीति जाति, क्षेत्र और स्वार्थ से ऊपर उठकर मानवता की थी। वे कहा करते थे कि सत्ता किसान की सेवा के लिए है, शासन करने के लिए नहीं। यही कारण था कि संसद हो या विधानसभा, उनकी आवाज़ में निमाड़ के खेतों की गूंज सुनाई देती थी।

1993 में दिग्विजय सिंह सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल प्रशासनिक दृढ़ता और जनपक्षधरता का उदाहरण बना। कृषि, सहकारिता, जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों का नेतृत्व करते हुए उन्होंने सिद्ध किया कि इच्छाशक्ति हो तो व्यवस्था बदली जा सकती है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध 76 इंजीनियरों को सेवा से हटाने का साहसी निर्णय उस समय की राजनीति में असाधारण माना गया। किसान कल्याण आयोग के अध्यक्ष के रूप में दिए गए उनके अनेक सुझावों में से कई आज भी कृषि नीति की आधारशिला हैं। उनका नेतृत्व भावुक नारों का नहीं, ठोस परिणामों का था।

यदि निमाड़ के विकास की कोई तस्वीर बनाई जाए तो उसमें नर्मदा का जल और सुभाष यादव का संकल्प साथ दिखाई देंगे। इंदिरा सागर बाँध सहित अनेक जल परियोजनाओं को गति देकर उन्होंने सूखे क्षेत्रों तक सिंचाई का विस्तार किया। नर्मदा की लहरों को खेतों तक पहुँचाने का उनका सपना लाखों किसानों के जीवन में हरियाली बनकर उतरा। यही कारण है कि जनता ने उन्हें केवल नेता नहीं, 'निमाड़ का भगीरथ' कहा। उन्होंने विकास को घोषणाओं में नहीं, खेतों की उपज, किसानों की मुस्कान और गाँवों की समृद्धि में मापा।

सार्वजनिक जीवन की व्यस्तताओं के बीच उनका पारिवारिक जीवन अनुकरणीय था। पत्नी दामिनी यादव के साथ उनका संबंध सेवा, समर्पण और संस्कारों का संगम था। उन्होंने अपने पुत्रों अरुण यादव और सचिन यादव तथा चार पुत्रियों को शिक्षा, सम्मान और सामाजिक चेतना की विरासत दी। बोरावां स्थित उनका घर हमेशा लोगों से भरा रहता था। किसान, युवा, कार्यकर्ता और आमजन वहाँ सलाह, सहानुभूति और प्रेरणा पाने आते थे। वे धैर्यपूर्वक सुनते, मुस्कुराते और कुछ शब्दों में ही भरोसा जगा देते। परिवार और राजनीति के बीच उन्होंने जो संतुलन प्रस्तुत किया, वह आज भी प्रेरणा का विषय है।

शिक्षा और संस्थागत विकास में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। बोरावां में जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की स्थापना ने ग्रामीण युवाओं के लिए आधुनिक तकनीकी शिक्षा के द्वार खोले। उन्होंने सैकड़ों विद्यालयों, सहकारी संस्थाओं और विकास परियोजनाओं को जन्म दिया। उनका स्वप्न था–हर किसान शिक्षित और आत्मनिर्भर बने, हर गाँव विकास की मिसाल बने। यूजीसी जैसे राष्ट्रीय मंचों पर उनकी भूमिका इस बात का प्रमाण थी कि वे शिक्षा और विकास को राष्ट्रनिर्माण का आधार मानते थे।

## गीता में वर्णित योग, आज का सहजयोग

भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को प्रदत्त श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित दैवीय गुण–तेज, क्षमा, धैर्य, शुद्धता, वैरभाव का अभाव तथा अहंकार से मुक्त जीवन–मानव के आध्यात्मिक उत्कर्ष के प्रतीक हैं। इन दैवी गुणों को जीवन में विकसित करने का सरल एवं प्रभावी मार्ग प. पू. श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा स्थापित सहजयोग ध्यान पद्धति में निहित है।

सहजयोग एक अनूठी ध्यान प्रणाली है, जो साधक को सर्वप्रथम 'निर्विचार अवस्था' का अनुभव कराती है। इस अवस्था में मन की अनावश्यक गतिविधियाँ शांत हो जाती हैं और व्यक्ति आत्मपरीक्षण की दिशा में अग्रसर होता है। लगभग पाँच हजार वर्ष पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जिस योग का ज्ञान दिया था, उसी आत्मज्ञान को कलियुग में पुनः जन-जन तक पहुँचाने का कार्य प. पू. श्री माताजी ने सहजयोग के माध्यम से किया।

सहजयोग के नियमित अभ्यास से हमारे सूक्ष्म शरीर में स्थित चक्रों की शुद्धि होती है। मूलाधार चक्र के शुद्ध होने पर व्यक्ति के भीतर निर्मलता, पवित्रता, निष्कपटता और सहजता का विकास होता है। हृदय चक्र की शुद्धि से धैर्य, आत्मविश्वास तथा सभी के प्रति मैत्रीभाव उत्पन्न होता है। जीवन में संतुलन आता है और अतिशयता का अभाव होने लगता है।

जब आज्ञा चक्र स्वच्छ होता है, तब साधक क्षमाशील बनता है। सहस्त्रार चक्र पर नियमित ध्यान करने से व्यक्ति में तेजस्विता विकसित होती है। उसकी उपस्थिति सकारात्मकता का संचार करती है और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर स्वाभाविक प्रभाव पड़ता है।

प. पू. श्री माताजी का स्पष्ट मार्गदर्शन है कि एक सहज साधक में ये सभी दैवी गुण विकसित होने चाहिए, अन्यथा आध्यात्मिक प्रगति बाधित हो सकती है। भगवान श्रीकृष्ण ने आत्मपरीक्षण का महत्व बताया है। हमें दूसरों के दोष देखने के बजाय अपने भीतर झाँकना चाहिए और अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

विशुद्धि चक्र पर स्थित श्रीकृष्ण का ध्यान करने से हमारे दोषों की शुद्धि होती है तथा उनके गुण–मधुरता, आनंद, हर्षोल्लास और संतुलन–हमारे व्यक्तित्व में प्रकट होने लगते हैं। सहजयोग हमें यह भी सिखाता है कि न तो स्वयं से और न ही किसी अन्य से नाराज़ होना चाहिए। यही श्रीकृष्ण की सच्ची उपासना है।

# नशे से बर्बाद होते जीवन को बचाना होगा

नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन आज विश्व मानवता के सामने एक ऐसे संकट के रूप में उभर रहा है, जो केवल स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी लाखों लोगों के जीवन को अंधकार में धकेल रही है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसका सबसे बड़ा शिकार बन रही है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व समुदाय इस चुनौती के प्रति जागरूक हो, सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाए और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को संकल्प संख्या 42/112 के माध्यम से इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त अंतर्राष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक सहयोग और कार्रवाई को मजबूत करना है। इस दिवस के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि नशीली दवाओं की समस्या का समाधान केवल दंडात्मक उपायों से नहीं, बल्कि जनजागृति, सामाजिक-पारिवारिक रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग से संभव है।

संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम निर्धारित की है- ''विश्वव्यापी नशीली दवाओं की समस्याः स्थायी मुद्दे, नई चुनौतियां, अभिनव समाधान''। यह थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को अपराधी नहीं, बल्कि सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। समाज, परिवार, सरकार और स्वास्थ्य संस्थाओं के समन्वित प्रयास ही उसे पुनः सामान्य जीवन की ओर लौटा सकते हैं। विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं के उपयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। अनुमानतः विश्वभर में 30 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। इनमें से करोड़ों लोग नशे की लत के कारण गंभीर शारीरिक एवं मानसिक रोगों से पीड़ित हैं, लेकिन उपचार सुविधाओं तक उनकी पहुंच अत्यंत सीमित है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों से पीड़ित प्रत्येक आठ व्यक्तियों में से केवल एक को ही उपचार प्राप्त हो पाता है। यह स्थिति विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर चुनौती को उजागर करती है।

बीते कुछ दशकों में वैश्विक मादक पदार्थ बाजार का स्वरूप तेजी से बदला है। परंपरागत नशीले पदार्थों- अफीम, हेरोइन, गांजा, चरस और कोकीन के साथ-साथ अब सिंथेटिक ड्रग्स, फेंटानिल, मेथामफेटामाइन और विभिन्न रासायनिक नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। कृत्रिम नशीले पदार्थों के उत्पादन में कम लागत, तस्करी में कम जोखिम और अत्यधिक मुनाफे ने अवैध मादक पदार्थ उद्योग को और अधिक संगठित तथा खतरनाक बना दिया है। आज मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह आधुनिक तकनीक, डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर नए उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं और किशोरों, को अपना लक्ष्य बना रहे हैं। ऑनलाइन नेटवर्क और गुप्त डिजिटल लेन-देन ने नशीली दवाओं की उपलब्धता को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आसान बना दिया है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों का यह गठजोड़ विश्व शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

नशीली दवाओं का दुरुपयोग मानव शरीर की लगभग प्रत्येक प्रणाली को प्रभावित करता है। हृदय, यकृत, फेफड़े, मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। दीर्घकालिक सेवन व्यक्ति को अवसाद, मानसिक असंतुलन, आत्महत्या की प्रवृत्ति, स्मृति ह्रास और व्यक्तित्व विघटन की ओर ले जाता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अफीम, हेरोइन, स्मैक, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स का निरंतर सेवन व्यक्ति को मानसिक रूप से अक्षम बना सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण परिवार टूटते हैं, घरेलू हिंसा बढ़ती है, बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराते हैं तथा अपराध और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। अनेक शोधों में यह तथ्य सामने आया है कि चोरी, हिंसा, तस्करी, यौन अपराध और संगठित अपराधों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है।

भारत भी इस वैश्विक संकट से अछूता नहीं है। भौगोलिक स्थिति, सीमावर्ती चुनौतियां, बढ़ती शहरीकरण प्रक्रिया और युवाओं में बदलती जीवनशैली के कारण देश में नशीली दवाओं का दुरुपयोग चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा महानगरों में यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। भारत की पश्चिमी सीमा के निकट स्थित तथाकथित 'गोल्डन क्रिसेंट'- अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान विश्व के प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है, जिसके कारण सीमावर्ती राज्यों में तस्करी की समस्या अधिक जटिल हो गई है। पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की समस्या से जूझ रहा है। सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कमजोर और सामाजिक संरचना को क्षतिग्रस्त करना है। यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न है। जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया।

भारत सरकार ने नशे के विरुद्ध अनेक पहलें शुरू की हैं। 'नशा मुक्त भारत अभियान' देश के 272 से अधिक संवेदनशील जिलों में व्यापक जनजागरण, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई की जा रही है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से भी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। फिर भी यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, मीडिया और नागरिक समाज को भी इस अभियान का सक्रिय भागीदार बनना होगा। बच्चों और किशोरों में जीवन मूल्यों, आत्मविश्वास, नैतिक शिक्षा और तनाव प्रबंधन की संस्कृति विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। खेल, योग, ध्यान, सांस्कृतिक गतिविधियां और सकारात्मक सामाजिक वातावरण युवाओं को नशे की ओर बढ़ने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

महान दार्शनिकों और आध्यात्मिक चिंतकों ने सदैव संयम को स्वस्थ जीवन का आधार माना है। भारतीय संस्कृति का मूल संदेश भी आत्मसंयम, जागरूकता और सदाचार पर आधारित रहा है। यदि समाज में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित किया जाए तो नशे जैसी अनेक सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के शिकार व्यक्तियों के प्रति घृणा या बहिष्कार का दृष्टिकोण छोड़कर उन्हें सहानुभूति, उपचार और पुनर्वास के अवसर प्रदान किए जाएं। नशे की जंजीरों को तोड़ने के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों, परिवारों और समुदायों को एक साझा मोर्चा बनाना होगा। नशीली दवाओं के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानव जीवन अनमोल है और उसे नशे के अंधकार में खोने नहीं दिया जा सकता। यदि हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं, तो नशे के विरुद्ध संघर्ष को जनांदोलन का स्वरूप देना होगा। यही इस दिवस का मूल संदेश है और यही मानवता के उज्ज्वल भविष्य की अनिवार्य शर्त भी।

**-ललित गर्ग**

## विदेशी मुद्रा जुटाने की आरबीआई रणनीति पर नए सवाल

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की एक सूची के जरिये स्पष्ट किया कि बैंक विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमा या एफसीएनआर (बी) जुटाने के लिए क्या कर सकते हैं। यह वाणिज्यिक बैंकों को अत्यंत आवश्यक स्पष्टता प्रदान करेगा लेकिन साथ ही यह कई प्रश्न भी उठाता है। बैंकों को, जिनमें उनकी विदेशी शाखाएं भी शामिल हैं, रिजर्व बैंक द्वारा घोषित स्वैप सुविधा के अंतर्गत जुटाई गई एफसीएनआर (बी) जमा राशि के विरुद्ध विदेशी ऋणदाताओं को ऋण देने या स्टैंडबाय लेटर ऑफ क्रेडिट (एक तरह की गारंटी) जारी करने की अनुमति दी गई है। इसका उद्देश्य स्वाभाविक रूप से ऐसी जमा राशि को प्रवासी भारतीयों के लिए आकर्षक बनाना है। इस सुविधा को शुरू करने का मूल कारण केंद्रीय बैंक की विदेशी प्रवाह आकर्षित करने की इच्छा थी ताकि संभावित भुगतान संतुलन घाटे को कवर किया जा सके। पिछले वित्तीय वर्ष में भी भुगतान संतुलन घाटे में था और रिजर्व बैंक को हाजिर बाजार में शुद्ध स्तर पर 50 अरब डॉलर से अधिक विदेशी मुद्रा बेचनी पड़ी। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हुई। चूंकि भारत अपनी अधिकांश कच्चे तेल की जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है इसलिए चालू वित्त वर्ष में चालू खाता घाटा (सीएडी) सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 2 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद थी। भारत विभिन्न कारणों से बड़े पैमाने पर पूंजी बहिर्गमन का भी सामना कर रहा है जिससे भुगतान संतुलन पर दबाव पड़ने की संभावना थी। यह मुद्रा बाजार में रुपये की कमजोरी में परिलक्षित हुआ। यद्यपि भारत के पास बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है फिर भी विदेशी मुद्रा प्रवाह को प्रोत्साहित करने का विचार एक एहतियाती कदम के रूप में उचित ठहराया जा सकता था। हालांकि तब से बहुत कुछ बदल गया है। पश्चिम एशिया में अभी भी जोखिम हैं लेकिन स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वह कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 30 फीसदी की गिरावट में भी नजर आता है। इस प्रकार प्रश्न उठता है कि क्या भारत को अभी भी महंगी विदेशी मुद्रा उधारी के उच्च स्तर की आवश्यकता है जिसके लिए बैंकों को अनिवासी भारतीयों को ऋण देने की अनुमति भी दी जा रही है। ऐसी जमा राशि पर मुद्रा जोखिम रिजर्व बैंक द्वारा वहन किया जाएगा। इस समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक 10 लाख डॉलर से अधिक की जमा राशि पर नौ गुना तक लीवरेज की पेशकश कर रहा है।

**-सुनील कुमार महला**

# प्रतिभा पलायन नही प्रतिभा आमंत्रण (ब्रेन-ड्रेन नही ब्रेन-गेन) का देश बनाना होगा

भारत की युवा प्रतिभाएँ देश को विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने का प्रयास करें। भारत सदियों से ज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान का वैश्विक केंद्र रहा है। नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला और पाटलिपुत्र जैसे विश्वविद्यालयों में विश्व के विभिन्न देशों से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने आते थे। भारतीय ज्ञान परंपरा ने विश्व को दिशा दी है। किंतु विडंबना यह है कि आज भारत के लाखों प्रतिभाशाली छात्र और युवा उच्च शिक्षा तथा रोजगार के लिए विदेशों का रुख कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति ब्रेन ड्रेन अथवा प्रतिभा पलायन के रूप में देश के समक्ष एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है।

भारत सरकार और समाज दोनों ही शिक्षा पर भारी निवेश करते हैं। विशेष रूप से आईआईटी, आईआईएम, एम्स, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान तथा अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की शिक्षा पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों रुपये व्यय किए जाते हैं। किंतु जब यही प्रतिभाएँ उच्च वेतन, बेहतर जीवनशैली और वैश्विक अवसरों के आकर्षण में विदेशों में स्थायी रूप से बस जाती हैं, तब उनके ज्ञान और कौशल का लाभ भारत के बजाय विदेशी अर्थव्यवस्थाओं को प्राप्त होता है। पिछले एक दशक में विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में ही लगभग 7.6 लाख भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर भारतीय छात्रों के प्रमुख गंतव्य बने हुए हैं।

यदि भारतीय प्रवासी समुदाय की बात करें तो आज लगभग 1.85 से 1.90 करोड़ भारतीय मूल के लोग विभिन्न देशों में रह रहे हैं। इनमें सर्वाधिक संख्या संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब में कार्यरत भारतीयों की है।

प्रतिभा पलायन का एक पक्ष चिंताजनक अवश्य है, किंतु इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि विदेशों में कार्यरत भारतीय अपने परिश्रम से भारत की अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ बना रहे हैं। वर्ष 2024 में भारतीय प्रवासियों ने भारत को लगभग 137 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक) की विदेशी मुद्रा प्रेषित की, जिससे भारत विश्व का सबसे बड़ा रेमिटेंस प्राप्त करने वाला देश बना।

फिर भी प्रश्न यह है कि यदि यही प्रतिभाएँ भारत में रहकर अनुसंधान, नवाचार, उद्योग, चिकित्सा, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के क्षेत्र में योगदान दें, तो देश की प्रगति कहीं अधिक तीव्र हो सकती है। भारत को केवल विदेशी मुद्रा नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुसंधान, पेटेंट, उद्योग और रोजगार सृजन की भी आवश्यकता है।

भारत सरकार ने देश को पुनः वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की दिशा में अनेक पहलें की हैं। स्टडी इन इंडिया कार्यक्रम तथा आसियान देशों के विद्यार्थियों के लिए एक हजार पीएच.डी. फैलोशिप की योजना इसी उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी, ताकि विदेशी छात्र भारत में आकर उच्च शिक्षा प्राप्त करें।

इसके अतिरिक्त प्रोजेक्ट डेस्टिनेशन इंडिया के माध्यम से विदेशी छात्रों के प्रवेश, वीजा और अध्ययन संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि भारत केवल छात्रों को विदेश भेजने वाला देश न रहकर, विश्वभर के विद्यार्थियों को आकर्षित करने वाला शिक्षा केंद्र बने।

हालाँकि अभी भी अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। विदेशी छात्र भारत में प्रदूषण, अत्यधिक गर्मी, लंबी प्रशासनिक प्रक्रियाओं तथा भारतीय डिग्रियों की सीमित वैश्विक मान्यता जैसी समस्याओं का उल्लेख करते हैं। दूसरी ओर भारतीय अभिभावकों के मन में यह धारणा बनी हुई है कि विदेश की डिग्री अधिक प्रतिष्ठित है। यही कारण है कि भारत में अपेक्षाकृत कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होने के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं।

भारत के लिए आवश्यक है कि विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता, अनुसंधान सुविधाएँ, उद्योगों से जुड़ाव तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा को और अधिक मजबूत बनाया जाए। शिक्षा ऐसी हो जो विद्यार्थियों को केवल डिग्री न दे, बल्कि नवाचार, उद्यमिता और रोजगार के अवसर भी प्रदान करे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश से बाहर होने वाले महंगे डेस्टिनेशन वेडिंग आयोजनों पर चिंता व्यक्त करते हुए वेड इन इंडिया अभियान का आह्वान किया है। उनका सुझाव है कि भारतीय परिवार विवाह जैसे बड़े आयोजनों को विदेशों के बजाय भारत में ही संपन्न करें, जिससे देश का धन देश में रहे, पर्यटन को बढ़ावा मिले और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित हों।

जिस प्रकार वेड इन इंडियाकी अवधारणा देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का प्रयास है, उसी प्रकार स्टडी इन ईंडिया और वर्क इन इंडिया को भी राष्ट्रीय आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है। देश की प्रतिभाएँ यदि देश में ही अवसर प्राप्त करें और अपने ज्ञान का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता।

प्रतिभा पलायन को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय प्रतिबंध नहीं, बल्कि ऐसे अवसरों का निर्माण है जहाँ भारतीय युवाओं को अपने ही देश में विश्वस्तरीय शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, अनुसंधान की सुविधाएँ और बेहतर जीवन-स्तर उपलब्ध हो। जब भारत अवसरों की भूमि बनेगा, तब प्रतिभाएँ स्वयं लौटकर आएँगी और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएँगी।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम ब्रेन ड्रेन को ब्रेन गेन में परिवर्तित करें। देश की प्रतिभाएँ देश के ही काम आएँ, यही आत्मनिर्भर और विकसित भारत की आधारशिला है।

**-संजीव ठाकुर**

# निजी इंफ्रा निवेश की वापसी को संस्थागत रूप से तैयार हो भारत

पीपीपी यानी सार्वजनिक-निजी भागीदारी अब देश के बुनियादी ढांचा विकास में निजी निवेश का संकेत देने वाला एक स्वीकृत संक्षिप्त रूप बन चुका है। भारत के ब्रिटिशकालीन बुनियादी ढांचे के निर्माण में कई परियोजनाएं निजी उपक्रमों के रूप में सामने आई थीं। गारंटीशुदा रिटर्न वाले स्टर्लिंग बॉन्ड्स ने रेलमार्ग, ट्रामवे और बिजली वितरण को वित्तपोषित और संचालित किया। टाटा पावर की स्थापना 1911 में हुई थी। अन्य निजी बिजली संयंत्र भी मौजूद थे। स्वतंत्रता के बाद भारत के बुनियादी ढांचे में निजी पूंजी का उतारचढ़ाव का सफर आठ चरणों में सामने आया।

इकलौता निर्माता राज्य (1947-1992)= 1950 में स्थापित योजना आयोग ने अधिकांश राष्ट्रीय निवेश निर्णयों को नियंत्रित किया। बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे में निवेश हुआ लेकिन यह सार्वजनिक धन से हुआ। ऐसी परियोजनाओं में विशाल जलविद्युत परियोजनाएं और रेलवे नेटवर्क का विस्तार शामिल था, लेकिन निजी पूंजी इसमें शामिल नहीं थी। 1991 के उदारीकरण कदमों के बाद सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में तेजी आने पर नीति-निर्माताओं ने निजी पूंजी की भागीदारी पर गंभीरता से विचार करना शुरू किया क्योंकि बुनियादी ढांचे की कमी एक चेतावनी के रूप में सामने थी।

पीपीपी का आरंभ (1992-1997)= इस समय निजी क्षेत्र को शामिल करना नीतिगत हलकों में गति पकड़ने लगा। उस दौर में पीपीपी के प्रयोग अपने पैमाने के लिहाज से नहीं बल्कि प्रतीकात्मक रूप से अधिक महत्त्वपूर्ण थे। आठ निजी फास्ट ट्रैक बिजली परियोजनाओं में से केवल दो ही बनीं। जीवीके का 216-मेगावॉट जेगुरुपाडु संयंत्र बिजली खरीद समझौते के तहत एक शुरुआती प्रायोगिक स्वरूप बना। आईएलऐंडएफएस ने मध्य प्रदेश में राऊ और पीथमपुर के बीच 12 किलोमीटर लंबी टोल सड़क बनाई जो भारत का पहला निजी टोल परिचालन था। 1996 में राकेश मोहन विशेषज्ञ समूह ने निष्कर्ष निकाला कि केवल सार्वजनिक बजट भारत के बुनियादी ढांचे को वित्तपोषित नहीं कर सकते।

पीपीपी का उद्भव (1997-2007)= 1997 में पीपीपी ने निर्णायक मोड़ लिया जब देश के पहले समर्पित अधोसंरचना वित्तपोषक के रूप में आईडीएफसी की स्थापना हुई। इसका उद्देश्य निजी पूंजी को अधोसंरचना की ओर ले जाना था। उसी वर्ष भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की स्थापना की गई जो पहला स्वतंत्र अधोसंरचना नियामक था। बंदरगाह शुल्क और निजी क्षेत्र की भागीदारी की निगरानी के लिए प्रमुख बंदरगाहों के लिए टैरिफ प्राधिकरण का गठन किया गया।

न्हावा शेवा के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट ने भारत के पहले बड़े निजी बंदरगाह परिचालन अधिकार पर हस्ताक्षर किए। बिजली अधिनियम 2003 ने उत्पादन और वितरण को लाइसेंस-मुक्त कर दिया, जिससे बिजली क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का मार्ग खुला। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) सड़क परियोजनाओं में निजी पूंजी आकर्षित करने के लिए नोडल एजेंसी बन गया।

पीपीपी का शिखर (2007-2012)= प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अधोसंरचना डेवलपर्स से कारोबारी उत्साह दिखाने का आह्वान किया। 11वीं पंचवर्षीय योजना ने अधोसंरचना निवेश को जीडीपी के 5 फीसदी से बढ़ाकर 9 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य रखा। कुल अधोसंरचना निवेश में निजी पूंजी का हिस्सा 22 फीसदी से बढ़कर 37 फीसदी हो गया। एनएचएआई का पीपीपी कार्यक्रम सड़कों के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी का स्वर्णकाल साबित हुआ।

जीएमआर ने दिल्ली हवाई अड्डे को रूपांतरित किया जबकि जीवीके ने मुंबई हवाई अड्डे का पुनर्विकास किया। दोनों मामलों में दीर्घकालिक पीपीपी परिचालन अधिकार दिए गए। मुंद्रा बंदरगाह ने दिखाया कि निजी क्षेत्र परिवर्तनकारी बदलाव ला सकता है। बैंकों के जबरदस्त ऋण वितरण के चलते अवसंरचना निवेश जीडीपी के 7 फीसदी से ऊपर चला गया। थोड़े समय के लिए भारत दुनिया के सबसे बड़े पीपीपी बाजारों में से एक बन गया।

पीपीपी का स्याह पक्ष (2012-2014)= अब यह महसूस होता है कि पीपीपी में संस्थागत आधार की कमी थी। करीब 40,000 मेगावॉट से अधिक की निजी ताप बिजली क्षमता स्थगित है और राजमार्ग संबंधी कई पीपीपी ढह गए। अनेक अधोसंरचना कंपनियां दिवालिया हो गईं। सरकारी बैंकों का फंसा हुआ कर्ज 2010 के 2.5 फीसदी से 2016 तक 14.6 फीसदी जा पहुंचा। निजी बैंकों में यह केवल 4.7 फीसदी है। कॉरपोरेट दिवालिया डिफॉल्ट में अधोसंरचना का हिस्सा 50 फीसदी हो गया, और फंसे हुए कर्ज लगभग 18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गए। स्पष्ट था कि पीपीपी का क्रियान्वयन संस्थागत तैयारी से पहले ही कर दिया गया था।

ईपीसी की ओर वापसी (2014-2023)= राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने जल्दबाजी में इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) रणनीति की ओर वापसी की। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में राजमार्ग विकास एक बार फिर बड़े पैमाने पर सार्वजनिक वित्तपोषण पर आधारित हो गया। 2019-20 तक राजमार्ग निर्माण 8-9 किलोमीटर प्रतिदिन से बढ़कर 28-29 किलोमीटर रोजाना हो गया। हाइब्रिड एन्युइटी (एक प्रकार का वित्तीय अनुबंध) मॉडल के तहत सरकार 40 फीसदी अग्रिम अनुदान देती है और डेवलपर्स 60 फीसदी एन्युइटी के माध्यम से वसूलते हैं, जिससे निजी पूंजी आकर्षित हुई। फिर भी सार्वजनिक वित्तपोषण सीमा तक पहुंच रहा था। केलकर समिति ने नवंबर 2015 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें पीपीपी को पुनर्जीवित करने के उपाय सुझाए गए थे। कोर सेक्टर की परिपक्वता और नए क्षितिज (2023-2025)= 2025 और 2026 के केंद्रीय बजट में पहली बार अधोसंरचना, राजमार्ग या रेलवे जैसे शब्द शीर्षक विषयों के रूप में शामिल नहीं थे। यह नवीकरणीय ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, बैटरी भंडारण और हाई-स्पीड रेल जैसे नए क्षितिजों की ओर बढ़ने का संकेत था। निजी पूंजी का हिस्सा अब 11वीं योजना अवधि के उच्चतम 37 फीसदी से घटकर 20 फीसदी से भी कम हो गया था।

मुद्रीकरण नया पीपीपी है (2026 से आगे)= फरवरी 2026 में राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) 2.0 शुरू की गई जिसका लक्ष्य वित्त वर्ष 30 तक लगभग 16.72 लाख करोड़ रुपये जुटाना है (एनएमपी 1.0 के आकार से 2.6 गुना)। प्रमुख मुद्रीकरण क्षेत्रों के रूप में राजमार्ग, बिजली, रेलवे और बंदरगाह आदि पहचाने गए। एनएचएआई का इनविट पहले ही 2022 में लगभग 14,300 करोड़ रुपये जुटा चुका था जिससे खुदरा और निजी संस्थागत निवेशकों की पुनर्विकास परियोजनाओं में रुचि दिखी। 2026-27 के केंद्रीय बजट में सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की गई, जिनका अनुमानित व्यय 4,000 किलोमीटर के लिए करीब 16 लाख करोड़ है। यह स्पष्ट मान्यता दिखी कि केवल सार्वजनिक क्षेत्र से धन जुटाना यथार्थवादी नहीं है।

**-धनंजय राजौरा**

# अमलतास अस्पताल में किये सरजू बाई के नेत्रदान, पति ने भी लिया महादान का संकल्प

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मानवता की सेवा और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में देवास का अमलतास मेडिकल कॉलेज एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बना है। कनासिया, उज्जैन की निवासी श्रीमती सरजू बाई पलसावादिया के मरणोपरांत उनके संकल्प के अनुसार अमलतास अस्पताल में उनका नेत्रदान संपन्न हुआ। समाज के लिए प्रेरणा बने इस पुनीत कार्य के लिए अमलतास हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा दिवंगत सरजू बाई के परिवार को आभार प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस भावुक और सम्मानजनक क्षण में दिवंगत सरजू बाई के पति श्री रामचंद्र जी पलसावादिया ने भी अमलतास अस्पताल में भविष्य में नेत्रदान करने का संकल्प लिया। इस दौरान उनके सुपुत्र ओमप्रकाश और प्रदीप भी उपस्थित रहे, जिन्होंने माता के संकल्प को पूरा करने में पूरा सहयोग दिया।

अमलतास के सुप्रसिद्ध नेत्र रोग विभाग के विशेषज्ञ द्वारा बताया गया की स्वर्गीय सरजू बाई जी द्वारा किया गया नेत्रदान मानवता के प्रति एक प्रेरणादायक योगदान है। उनके इस महान निर्णय से किसी जरुरतमंद दो व्यक्तियों के जीवन में रोशनी आ सकेगी। क्योंकि मृत्यु के बाद भी किसी की आँखों से दुनिया को देखा जा सकता है नेत्रदान, अंगदान और देहदान करने से आप मृत्यु के बाद भी अमर हो जाते हैं।

नेत्रदान की इस पूरी प्रक्रिया को अमलतास अस्पताल के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शिशिर उर्ध्ववर्षी, डॉ. मोहम्मद वकास खान और अमलतास आई बैंक के इंचार्ज मोहम्मद रिहान एवं उनकी टीम ने संवेदनशीलता के साथ सफलता पूर्वक संपन्न कराया।

इस पुनीत कार्य पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए अमलतास ग्रुप के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया ने कहा श्रीमती सरजू बाई पलसावादिया जी और उनके पूरे परिवार का यह निर्णय मानवता की सेवा का एक अनुकरणीय उदाहरण है। किसी को दृष्टि का उपहार देना दुनिया के सबसे बड़े पुण्यों में से एक है। अमलतास संस्थान इस महादान के लिए परिवार के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता है। दुख की इस घड़ी में परिवार द्वारा लिया गया यह संकल्प समाज में अंगदान और नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।

# 15 वर्षो से गरीब और असहाय लोगों को भोजन दे रहे सदस्य

## सांझ की रोटी सेवा अभियान के सदस्यों का किया अभिनंदन

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** गरीब, असहाय एवं दिव्यांगजनों को भोजन उपलब्ध कराने वाले 'सांझ की रोटी' सेवा अभियान के 15 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शाजापुर सांझ की रोटी ग्रुप द्वारा सम्मान समारोह एवं सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नरसिंहगढ़ और शाजापुर से जुड़े सदस्यों का सम्मान किया गया।

आयोजक एवं संचालक अभिभाषक एजाजुद्दीन मेव ने बताया कि यह सेवा अभियान पिछले 15 वर्षों से नरसिंहगढ़ में सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। वहीं पिछले दो वर्षों से शाजापुर शहर में भी ग्रुप के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण का कार्य निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रुप के 55 सदस्य प्रतिमाह 300 रुपये या उससे अधिक का सहयोग प्रदान करते हैं, जिसके माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाया जाता है। सेवा के इस सफर के 15 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष सम्मान समारोह आयोजित कर सदस्यों के योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम में ग्रुप के संयोजक एवं नरसिंहगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष लोकेन्द्र वर्मा, सीहोर के सीईओ मनोज शर्मा, शिक्षिका ज्योति शर्मा तथा टेंट व्यवसायी साहू जी का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अभिभाषक कमल पाटीदार, इरशाद खान, तंजीम लोधी, इकरामुद्दीन गोरी, पुलिस विभाग से चंद्रपाल जाट, दीपक रामटेके, तंजीम सिद्दीकी, भगीरथ सोलंकी, अशफाक गुड्डू एवं किशोर पाटीदार सहित अन्य वक्ताओं ने सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन अभिभाषक सईद पठान ने किया तथा आभार अधिवक्ता देवेंद्र वर्मा ने माना।

### पीएमएफएमई योजना से संवरी विष्णु पांचाल की जिंदगी: राजोदा में स्थापित की पापड़ निर्माण इकाई

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और आर्थिक समृद्धि का बड़ा माध्यम बन रही है। विकासखंड देवास के ग्राम राजोदा निवासी श्री विष्णु पांचाल इसका एक प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। उन्होंने उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग के मार्गदर्शन में इस योजना का लाभ उठाकर अपने जीवन स्तर को एक नई ऊंचाई दी है।

हितग्राही श्री विष्णु पांचाल ने बताया कि वे अपने गांव में पापड़ उद्योग स्थापित करना चाहते थे। उद्यानिकी विभाग के सहयोग से उन्हें पीएमएफएमई योजना के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा सिरोल्या से 03 लाख 59 हजार रूपये का बैंक ऋण स्वीकृत हुआ। इसके साथ ही योजना के प्रावधानों के अनुसार उन्हें 01 लाख 40 हजार रूपये सब्सिडी भी प्राप्त हुई।

हितग्राही श्री विष्णु पांचाल ने बताया कि पापड़ निर्माण एक सीजनल उद्योग है। वर्तमान में वे साल में करीब 2 से 3 महीने ही इस इकाई का संचालन करते हैं। इस सीमित अवधि में ही उनकी इकाई द्वारा लगभग 22 क्विंटल पापड़ का सफलतापूर्वक उत्पादन किया जाता है। सभी खर्च निकालकर उन्हें इस व्यवसाय से सालाना 02 लाख रूपये की शुद्ध आय प्राप्त हो रही है। उन्होंने बताया कि पहले की तुलना में अब उनका जीवन पूरी तरह बदल गया है। पीएमएफएमई योजना की मदद से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

# आयुष्मान योजना से प्रियांशी को मिला नया जीवन

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** आयुष्मान भारत निरामयम योजना और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आबीएसके) आज गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही हैं। आयुष्मान भारत निरामयम योजना से देवास निवासी श्री दिनेश सोलंकी की सुपुत्री प्रियांशी का निःशुक्ल इलाज हुआ है। प्रियांशी को बचपन से ही गंभीर हृदय संबंधी समस्या थी, जिसका इलाज आयुष्मान योजना से पूरी तरह निःशुल्क और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है।

शहरी क्षेत्र देवास की आरबीएसके टीम द्वारा प्रियांशी की जांच की, तो उन्हें बच्ची में गंभीर हृदय रोग के लक्षण मिले। बीमारी की गंभीरता को देखते हुए आरबीएसके टीम ने तुरंत प्रियांशी के परिजनों से संपर्क किया। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण प्रियांशी के परिजन इलाज के खर्च को लेकर बेहद चिंतित थे। आरबीएसके टीम द्वारा परिजनों को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत होने वाले निःशुल्क उपचार व सर्जरी की विस्तृत जानकारी दी। टीम के मार्गदर्शन में कागजी कार्रवाई पूरी कर बच्चीं को राजश्री अपोलो अस्पताल इंदौर रेफर किया गया, जहाँ उसकी सफल सर्जरी की गई।

प्रियांशी अब पूरी तरह स्वस्थ है और एक सामान्य जीवन जी रही है। श्री दिनेश सोलंकी बेटी को नया जीवन मिलने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्?द्र मोदी और मुख्?यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हृदय से धन्?यवाद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की यह योजना न होती, तो उनके लिए बेटी का इतना महंगा इलाज करवा पाना असंभव था। यह योजना वास्तव में गरीब नागरिकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

# मुख्यमंत्री दिव्यांगजन शिक्षा प्रोत्साहन योजना के ऑनलाइन आवेदन 31 अगस्त तक कर सकेंगे विद्यार्थी

## स्पर्श पोर्टल के माध्यम से होगा आवेदन और स्वीकृति की पूरी प्रक्रिया

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की मुख्यमंत्री दिव्यांगजन शिक्षा प्रोत्साहन योजना का वित्तीय वर्ष 2026-27 में ऑनलाइन आवेदन 31 अगस्त तक किये जा सकेंगे। योजना के प्रभावी संचालन के लिए एनआईसी मध्यप्रदेश के सहयोग से स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन प्रणाली विकसित की गई है, जिसके माध्यम से पात्र दिव्यांग छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकेंगे।

योजना के अंतर्गत अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थी पात्रतानुसार स्वयं स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके साथ ही जिला कार्यालयों में प्राप्त ऑफलाइन आवेदनों को भी संयुक्त अथवा उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा।

ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों का परीक्षण जिला स्तर पर किया जाएगा। पात्रता एवं नियमानुसार आवेदनों को स्वीकृत किया जाएगा तथा अपात्र पाए जाने वाले आवेदनों को अस्वीकृत किया जाएगा। विद्यार्थियों से आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। प्राप्त आवेदनों के परीक्षण एवं स्वीकृति-अस्वीकृति की प्रक्रिया 15 सितम्बर 2026 तक पूर्ण की जाएगी।

योजना के तहत स्वीकृत हितग्राहियों को उनकी पात्रतानुसार सामग्री का वितरण विश्व दिव्यांग दिवस 3 दिसम्बर 2026 के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रमों में किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने सभी पात्र दिव्यांग छात्र-छात्राओं से निर्धारित समय-सीमा में आवेदन करने का आग्रह किया। जिला अधिकारियों से योजना के ऑनलाइन क्रियान्वयन की समस्त प्रक्रिया का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये है।

# मानसून के पहले जमकर बरसा प्री-मानसून मानसून

## किसानों ने की बोवनी की तैयारी, डेढ़ घंटे में हुई 2 इंच बारिश, देर रात भी बारिश के आसार

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** बोवनी के लिए आसमान ताक रहे किसानों को गुरूवार को हुई प्री-मानसून की झमाझम बारिश ने राहत प्रदान की। दोपहर करीब 1.30 बजे शुरू हुई झमाझम बारिश 3 बजे तक जारी रही जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। इस दौरान 51 एमएम (2 इंच) वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार गुरूवार देर रात भी इसी तरह की बारिश की संभावना है।

गुरूवार सुबह से ही आसमान बादलों से ढंका हुआ था और रह रहकर बादल गरज रहे थे। लेकिन बीच-बीच में साफ हो रहा मौसम लोगों की उम्मीदे धूमिल कर रहा था। दोपहर करीब 1 बजे आसमान फिर काले बादलों से ढंक गया। कुछ देर बाद गरज-चमक शुरू हो गई। इसके बाद तेज बारिश शुरू हो गई जो करीब 3 बजे तक जारी रही। हालांकि इसके बाद भी रिमझीम के रूप में बारिश जारी रही। जिससे मौसम में ठंडक घुल गई। इस बारिश से जहां जमीन में नमी की पूर्ति हो गई जिससे अब किसान खेतों में बोवनी कर सकेंगे। इसके अलावा मौसम में भी ठंडक घुल गई। इस दिन अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री रहा। वहीं डेढ़ घंटे में 51 एमएम वर्षा दर्ज की गई।

तीन दिन बाद होगा मानसून का मंगल प्रवेश- गुरूवार को भी प्री-मानसून बारिश हुई। जबकि मानसून आने में अभी तीन दिन का समय है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि मानसून भोपाल तक पहुंचा है। संभावना है कि इस सप्ताह के अंत में मानसूनी बारिश शुरू हो। उन्होंने बताया कि अभी दो दिन ऐसी ही बारिश होगी। इसके बाद तीन दिन तक बारिश थमी रहेगी जिससे किसान बोवनी कार्य कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि गुरूवा रात में भी इसी तरह की बारिश की संभावना है।

यहां आफत बनी बारिश, आकाशीय बिजली गिरने से बुजुर्ग की मौत- गुरूवार को हुई बारिश से जहां लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की। तो कई जगह आफत भी हुई। इस दौरान चली तेज हवाओं के कारण जिला अस्पताल में टीनशेड गिर गया। वहीं हनुमान मंदिर के पास पेड़ गिर गया। इधर ग्राम बेसरापुर के जंगल में शाम को बिजली गिरने से बुजुर्ग की मौत हो गई। बारिश के दौरान शहरी हाईवे पर राधा पेट्रोल पंप के सामने जलभराव से वाहन चालकों को परेशानी हुई। सड़क पर पानी भरने से यातायात भी प्रभावित हुआ। इधर जिला अस्पताल परिसर में भी तेज हवा और बारिश के दौरान मातृ एवं शिशु वार्ड के सामने लगा एक टीनशेड अचानक गिर गया। घटना के समय टीनशेड के नीचे चार-पांच लोग खड़े थे और कुछ मजदूर भी आसपास काम कर रहे थे। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई। वही हरायपुरा स्थित मंगलमूर्ति हनुमान मंदिर पर बरसों पुराना पीपल का पेड़ गिर गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। ग्राम बेसरापुर गांव के जंगल में आत्माराम मालवीय (64) जंगल में बकरियां चराने गए थे। इसी दौरान बारिश के साथ बिजली कड़कने लगी। इसी बीच उन पर आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे वह बुरी तरह झुलस गए और उनकी मौत हो गई।

# प्राइवेट बैंक की मैनेजर को प्रेमजाल में फंसाकर किया दुष्कर्म, पुलिस ने किया मामला दर्ज

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्राइवेट बैंक में ऑपरेशनल मैनेजर के पद पर पदस्थ रही एक महिला ने अपने ही बैंक के अकाउंटेंट पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2025 में वह शाजापुर स्थित प्राइवेट बैंक में कार्यरत थी। इसी दौरान उसकी पहचान बैंक के ही अकाउंटेंट शिवम दुबे निवासी जिला कटनी से हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध बने और आरोपी ने शादी का आश्वासन देकर 25 अगस्त 2025 को उसके साथ पहली बार संबंध बनाए। इसके बाद वो बार-बार संबंध बनाता रहा। यही नहीं जब भी वह शादी की बात करती थी आरोपी टालमटोल करता। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट तथा गाली-गलौज करता था। बाद में आरोपी का ट्रांसफर दमोह हो गया, लेकिन वह वीकेंड पर उससे मिलने शाजापुर आता रहा। युवती का कहना है कि उसके मना करने के बावजूद आरोपी जबरन उसके घर पहुंच जाता था और शारीरिक संबंध बनाता था। बाद में उसका ट्रांसफर खंडवा हो गया, जिसके बाद आरोपी फोन और संदेशों के माध्यम से उसे परेशान करने लगा। अश्लील बातें करता था। युवती ने आरोपी के पिता से भी विवाह की बात की, लेकिन उन्होंने दोनों की जाति अलग होने का हवाला देते हुए शादी से इनकार कर दिया। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी शिवम दुबे के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, मारपीट, गाली-गलौज और जातिसूचक अपमान करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध बीएनएस एवं एससी-एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

# अस्पताल में हुआ ऑक्सीजन गैस का रिसाव, मची अफरा-तफरी

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला अस्पताल परिसर में गुरूवार शाम करीब 4 बजे अचानक ऑक्सीजन गैस का रिसाव होने लगा। तेज धमाके के साथ निकली ऑक्सीजन से अस्पताल सहित आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि चालक ने समय रहते समस्या दूर कर दी और रिसाव बंद कर दिया नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जब ऑक्सीजन टैंकर से प्लांट में गैस ट्रांसफर की जा रही थी तभी अचानक गैस लीक होने लगी। इसके बाद टैंकर चालक ने बिना वक्त गंवाए तत्परता और सूझबूझ दिखाई। उसने तुरंत जरूरी तकनीकी उपाय किए, जिससे कुछ ही देर में रिसाव पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि या गंभीर नुकसान नहीं हुआ। तेज आवाज के साथ बड़ी मात्रा में गैस निकलते देख अस्पताल में मौजूद मरीजों, परिजनों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। वहीं पूरे परिसर में गैस फैल गई। जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया। हालांकि समय रहते काबू पा लेने से स्थिति सामान्य हो गई।

# नेशनल कमिश्नर कोर्स में सोनी ने किया प्रदेश का प्रतिनिधित्व

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी में 17 से 21 जून तक आयोजित पांच दिवसीय एडवांस कमिश्नर कोर्स आयोजित किया गया।

संभागीय आयुक्त स्काउट डॉ. सुरेश पाठक ने बताया कि उक्त राष्ट्रीय स्तर के कोर्स में मप्र का प्रतिनिधित्व करते हुए उज्जैन संभाग अंतर्गत शाजापुर जिले से एडवांस कमिश्नर कोर्स में जिला आयुक्त कब विभाग जिला शाजापुर श्री गौरव सोनी ने भाग लेकर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। इसके पूर्व वर्ष 2024 में भी श्री सोनी बेसिक कमिश्नर कोर्स में प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं । श्री सोनी की इस उपलब्धि पर जिला संघ पदाधिकारीगण यथा जिला मुख्यायुक्त डॉ. विवेक दुबे, राजेन्द्रसिंह सिप्रे, जिला आयुक्त स्काउट शाजापुर डॉ. रजनीश त्रिवेदी विख आयुक्त सहित इष्टमित्रों ने बधाई प्रेषित की।

# 65वीं राष्ट्रीय अंतर्राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के देव मीणा ने रचा इतिहास

## स्वर्ण पदक के साथ बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, एशियाई खेल 2026 के लिए किया क्वालीफाई

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भुवनेश्वर में 24 से 28 जून 2026 तक आयोजित 65वीं राष्ट्रीय अंतर्राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के प्रथम दिवस सायंकालीन सत्र में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी देव मीणा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पोल वॉल्ट स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

देव ने न केवल नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया, बल्कि आगामी एशियाई खेल 2026 के लिए भी क्वालीफाई कर भारतीय एथलेटिक्स में मध्यप्रदेश की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। उनकी इस उपलब्धि ने प्रतियोगिता के पहले ही दिन प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरव का अवसर प्रदान किया।

देव मीणा ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड- पोल वॉल्ट स्पर्धा में देव मीणा ने 5.46 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी स्थापित किया। देव की इस उपलब्धि ने उन्हें देश के शीर्ष पोल वॉल्टरों की श्रेणी में स्थापित कर दिया है।

एशियाई खेल 2026 के लिए किया क्वालीफाई- राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले देव मीणा ने आगामी एशियाई खेल 2026 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करियर की बड़ी सफलता है, बल्कि मध्यप्रदेश और देश के लिए भी गर्व का विषय है।

प्रदेश की एथलेटिक्स प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन- देव मीणा का यह प्रदर्शन दर्शाता है कि मध्यप्रदेश की खेल अकादमियों में खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उनकी सफलता खिलाड़ियों की मेहनत, समर्पण और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

# ग्राम राजोदा में स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने किया संयुक्त निरीक्षण

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की मानिटरिंग और व्यवस्थाओं को अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने ग्राम राजोदा में उप स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केंद्र का संयुक्त निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक तथा कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री साबिर अहमद सिद्दीकी ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने हितग्राहियों के घर जाकर नवजात शिशु की गृह आधारित देखभाल (एचबीएनसी), 3 माह से 15 माह तक के बच्चों की देखभाल (एच बी वाय सी), गंभीर कुपोषण (सेम) तथा मध्यम कुपोषण (मेम) बच्चों की स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियों ने क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम एवं कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर को निर्देशित किया कि सभी गर्भवती महिलाओं का पंजीयन प्रथम त्रैमास में अनिवार्य रूप से किया जाए।

# पति ने पत्नी को पिटा, बीच बचाव करने आए ससुर से भी की मारपीट

## गिलास फेंककर मारा, पत्नी की नाक कटी

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** ज्योति नगर में घरेलू विवाद के दौरान एक पति ने अपनी पत्नी और ससुर के साथ मारपीट की। इस घटना में पत्नी की नाक कट गई और ससुर को भी चोटें आई। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना गुरुवार सुबह 11 बजे की है। जिला अस्पताल में उपचार के लिए पहुंची घायल पूजा ने बताया कि उसका पति रोहित अक्सर उसके साथ मारपीट करता है। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे जब वह तबीयत खराब होने के कारण घर में सो रही थी। तभी उसका पति रोहित घर पहुंचा। उसने किसी बात को लेकर विवाद शुरू किया और पूजा के साथ मारपीट करने लगा। आरोप है कि रोहित ने गिलास फेंककर मारा, जिससे पूजा की नाक कट गई। पूजा के पिता मदनलाल जब बीच-बचाव करने आए तो रोहित ने उनके साथ भी मारपीट की, जिससे उनके माथे पर चोट आई। घटना के बाद आरोपी रोहित मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि वह मक्सी रेलवे स्टेशन स्थित एक कैंटीन में काम करता है और मूल रूप से राजस्थान का निवासी है। पति-पत्नी ज्योति नगर में किराए के मकान में रहते हैं। घायल पूजा ने जानकारी दी कि उपचार के बाद वे कोतवाली थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएंगी।

# किसानों के चेहरे दमके, मालवा के 'पीले सोने' सोयाबीन की बुवाई शुरू

## बुधवार की झमाझम बारिश से क्षेत्र तरबतर, खेतों में बढ़ी रौनक, बाजार पड़े सूने

**देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मालवा अंचल की पहचान मानी जाने वाली सोयाबीन, जिसे किसान प्रेम से 'पीला सोना' भी कहते हैं, की बुवाई का दौर शुरू हो गया है। मानसून की सक्रियता और पिछले तीन-चार दिनों से हो रही लगातार रुक-रुक कर बारिश ने किसानों के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी है। खेतों में पर्याप्त नमी आने के बाद किसानों ने तेजी से सोयाबीन की बुवाई शुरू कर दी है और पूरे क्षेत्र में कृषि कार्यों की रौनक दिखाई देने लगी है।

बुधवार को हुई जोरदार बारिश ने देपालपुर क्षेत्र को पूरी तरह तरबतर कर दिया। दिनभर बादलों की आवाजाही के बाद शाम करीब चार बजे शुरू हुई बारिश ने कई इलाकों को पानी से भर दिया। कॉलोनियों के खाली प्लॉट लबालब हो गए, सड़कों और गलियों में पानी बहने लगा तथा बारिश के बाद बड़ी संख्या में मेंढक बाहर निकल आए। चारों ओर गूंजती उनकी टर्र-टर्र की आवाजें मानो अच्छी बारिश और सफल खेती के संकेत दे रही थीं। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे इंतजार के बाद इंद्र देवता ने जिस तरह अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, उससे किसानों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। अभी तक क्षेत्र में 6इंच के लगभग वर्षा हो चुकी है।

वही समय पर मानसून की दस्तक और लगातार मिल रही वर्षा से किसानों को इस वर्ष बेहतर उत्पादन की उम्मीद जगी है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम इसी प्रकार साथ देता रहा तो 30 जून से पहले अधिकांश क्षेत्र में सोयाबीन की बुवाई पूरी हो जाएगी। कई किसानों ने बुधवार की बारिश को इस सीजन की सबसे उपयोगी बारिश बताते हुए कहा कि इससे खेतों में नमी का स्तर और बेहतर हुआ है, जो फसल के अंकुरण के लिए बेहद लाभदायक रहेगा।

बुवाई शुरू करने से पहले किसानों ने खेतों की मेड़ों पर पारंपरिक पूजा-अर्चना की। कई किसानों ने अपने ट्रैक्टर और कृषि उपकरणों की पूजा कर अच्छी फसल की कामना के साथ खेतों में बुवाई कार्य शुरू किया। सुबह से ही खेतों में ट्रैक्टरों की आवाजाही, सीड ड्रिल मशीनों की गूंज और किसानों की चहल-पहल देखने को मिली। गांवों में जहां खेतों की ओर जाने वाले रास्तों पर गतिविधियां बढ़ गई हैं, वहीं कस्बों और बाजारों में अपेक्षाकृत सन्नाटा दिखाई देने लगा है।

कृषि कार्यों में व्यस्तता के कारण देपालपुर और आसपास के बाजारों में भीड़ कम नजर आ रही है। व्यापारी बताते हैं कि इस समय अधिकांश किसान खेतों में जुटे हुए हैं, इसलिए बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में रौनक कम दिखाई दे रही है। किसानों की प्राथमिकता फिलहाल समय पर बुवाई पूरी करना है।

हालांकि बुधवार को हुई बारिश के कारण कुछ किसानों को अपना बुवाई कार्य बीच में रोकना पड़ा, लेकिन अधिकांश किसान इसे फसल के लिए लाभकारी मान रहे हैं। जिन किसानों ने सुबह से बुवाई पूरी कर ली थी, वे बारिश के बाद खेतों की स्थिति देखकर संतुष्ट नजर आए। उनका कहना है कि अब बोई गई फसल को अंकुरित होने के लिए पर्याप्त नमी मिल जाएगी।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार सोयाबीन की बुवाई के समय पर्याप्त नमी होना अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान मौसम और वर्षा की स्थिति को देखते हुए फसल की शुरुआत अच्छी मानी जा रही है। यदि आगामी दिनों में भी नियमित बारिश होती रही तो उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

वहीं चंबल नदी किनारे के कुछ क्षेत्रों में अभी अपेक्षाकृत कम वर्षा हुई है, लेकिन वहां भी मौसम का रुख अनुकूल बना हुआ है। किसानों को उम्मीद है कि अगले एक-दो दिनों में अच्छी बारिश होने पर वे भी बड़े पैमाने पर बुवाई कार्य शुरू कर देंगे।

मानसून की इस सक्रियता ने पूरे ग्रामीण अंचल में नई उम्मीद जगा दी है। पिछले वर्षों में मौसम की अनिश्चितता से परेशान किसानों को इस बार समय पर वर्षा मिलने से राहत मिली है। खेत तैयार हैं, बुवाई शुरू हो चुकी है और किसान बेहतर उत्पादन की उम्मीद के साथ पूरे उत्साह से खेती में जुट गए हैं।

मालवा के खेतों में 'पीले सोने' की बुवाई के साथ एक बार फिर हरियाली की नई कहानी लिखने की तैयारी शुरू हो गई है, और बुधवार की बारिश ने इस उम्मीद को और मजबूत कर दिया है।

## नगर परिषद ने किया लोक कल्याण मेला का आयोजन, हितग्राहियों को किया लाभान्वित

**सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** गुरुवार को नगर परिषद सुसनेर सीएमओ हरिओम शर्मा के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 6 वर्ष पुर्ण के अवसर पर  में पुराने नगर परिषद भवन में लोक कल्याण मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, पार्षद राकेश कानुडिया, पार्षद प्रतिनिधि दिलीप जैन, युगल किशोर परमार ने उपस्थित होकर हितग्राहियों को पीएम स्वनिधि योजना के ऋष्ण स्वीकृति पत्र प्रदान किए। शिविर में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना प्रथम चरण एवं क्रेडिट कार्ड के नवीन आवेदन भी प्राप्त किए। साथ ही लाभान्वित शहरी पथ विक्रेता हितग्राहियों के परिवारजनों की सामाजिक प्रोफाइलिंग कार्य भी किया गया। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक राजकुमार ,एसबीआई के हेमन्त मीणा, शिविर प्रभारी शहजादी खान सामुदायिक संगठक जगदीश परमार, अक्षय गुहाटिया, मुकेश माली, शाहिद खान, रियाज खान आदि उपस्थित रहे।

# बेटमा क्षेत्र में खुलेआम अवैध शराब का कारोबार...

## सड़कों पर दौड़ रही शराब से भरी हुई गाड़ियां

**देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** देहात इलाकों में इन दिनों अवैध शराब का काला कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। दिनदहाड़े सड़कों पर शराब से भरी गाड़ियाँ दौड़ रही हैं, लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग को यह नज़र नहीं आ रहा है। शराब ठेकेदारों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे कानून-व्यवस्था की सरेआम धज्जियाँ उड़ा रहे हैं।

बेटमा क्षेत्र में लाइसेंसी दुकान की आड़ में अवैध शराब का धंधा तेजी से फल-फूल रहा है। चर्चा है कि शराब माफियाओं ने आबकारी और पुलिस से सांठगांठ कर क्षेत्र में दर्जनों अवैध शराब के अड्डे खोल दिए हैं, जहाँ बिना किसी डर के शराब बेची जा रही है।

गाड़ी का वीडियो आया सामने- अवैध शराब की सप्लाई का नेटवर्क इस कदर बढ़ चुका है कि अब हाईवे पर स्थित मुख्य दुकान से खुलेआम फोर-व्हीलर गाड़ियों में शराब भरकर गाँवों में भेजी जा रही है। हाल ही में बेटमा क्षेत्र का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें गाड़ी नंबर स्क्र41.ञ्ज.0277 में भारी मात्रा में शराब लोड है और उसे अवैध अड्डों पर उतारा जा रहा है।

ज़िम्मेदारों की भूमिका पर सवाल- क्षेत्र की जनता में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि जब आम लोगों को दिनदहाड़े सड़कों पर दौड़ती शराब की गाड़ियाँ और अवैध अड्डे दिखाई दे रहे हैं, तो फिर ज़िम्मेदार महकमे को यह सब क्यों दिखाई नहीं दे रहा है? इस पूरे मामले में अधिकारियों की चुप्पी पर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

# राधा-कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ महोत्सव के समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

**अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** ग्राम मदाना में बुधवार को पटेल भादर सिंह सिसोदिया एवं स्वर्गीय पटेल माधव सिंह सिसोदिया के परिवारजनों द्वारा बुआजी पार्वती बाई एवं स्वर्गीय पिताश्री लालजी राम पटेल की स्मृति में निर्मित राधा-कृष्ण मंदिर में आयोजित पांच दिवसीय राधा-कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ एवं धार्मिक महोत्सव का भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रभर से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।

गौरतलब है कि ग्राम मदाना में राधा-कृष्ण मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत 20 जून से 24 जून तक पांच दिवसीय राधा-कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ एवं भागवत कथा का आयोजन किया गया। महायज्ञ का संचालन यज्ञाचार्य पंडित शिवनारायण अग्निहोत्री एवं कथा वाचक पंडित नीरज अग्निहोत्री द्वारा विधि-विधान से संपन्न कराया गया।

ऐतिहासिक आयोजन के समापन अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में मालवा के संत गोविंद जाने के पुत्र अवधेश कुमार नागर, महामंडलेश्वर स्वामी रामगिरि जी महाराज, शिवसेना महिला इकाई की प्रदेश अध्यक्ष समा देवी नायक, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाड़ा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल हावड़िया, डॉ. राघवेंद्र प्रताप सिंह, अजब सिंह पवार, महाराणा प्रताप युवा संगठन के जिला अध्यक्ष प्रकाश मेवाड़ा, लखन सिंह आचार्य, भाजपा मीडिया प्रभारी रोशन मेवाड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस दौरान मदाना, तिगजपुर, अकोदिया, कालापीपल, शुजालपुर, रानी बड़ौद, पचोर, ब्यावरा, शाजापुर, सारंगपुर, सिलेपुर एवं आष्टा सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

यज्ञ समापन के दौरान मौसम भी सुहावना रहा तथा वर्षा की फुहारें देखने को मिलीं। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी रामगिरि जी महाराज ने इसे शुभ संकेत बताते हुए कहा कि यज्ञ के दौरान वर्षा होना आयोजन की पूर्ण सफलता का प्रतीक माना जाता है।

पटेल भादर सिंह सिसोदिया एवं स्वर्गीय पटेल माधव सिंह सिसोदिया के परिवार द्वारा पिछले एक वर्ष से मंदिर निर्माण का कार्य कराया जा रहा था। आयोजक परिवार के सदस्य  शुभम सिंह सिसोदिया  ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर निर्माण से लेकर प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ एवं समापन समारोह तक लगभग 40 लाख रुपये से अधिक की लागत आई है । उन्होंने बताया कि पूरे आयोजन को सफल बनाने में क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं गरिमामय उपस्थिति मोजूद थी

कार्यक्रम में शामिल हुए श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों ने ग्राम मदाना के पटेल परिवार की धर्मनिष्ठा एवं जनसेवा भावना की सराहना करते हुए आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

## जिला प्रबंधन समिति की बैठक में दिव्यांगजनों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, झाबुआ की जिला प्रबंधन समिति की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में दिव्यांगजनों के लिए संचालित सेवाओं की समीक्षा करते हुए उनके पुनर्वास, उपचार, प्रशिक्षण एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक के प्रारंभ में समिति के सचिव एवं नोडल अधिकारी श्री पंकज सांवले ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र की विभिन्न इकाइयों द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याणार्थ संचालित गतिविधियों एवं प्रगति प्रतिवेदन से अवगत कराया। बैठक में केन्द्र परिसर के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इनमें दिव्यांगजनों को वितरित किए जाने वाले सहायक अंग एवं उपकरणों के सुरक्षित भंडारण हेतु शेड निर्माण, केन्द्र परिसर के सामने दिव्यांगजनों के बैठने हेतु प्रतीक्षालय (शेड), विभिन्न इकाइयों के संचालन के लिए अतिरिक्त कक्ष, हॉल एवं सुविधाघरों का निर्माण, गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराए गए टाटा मैजिक वाहन के संचालन हेतु विभागीय चालक की उपलब्धता सुनिश्चित करना, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के छात्रावास आदी।

# घोषित मूल्य से अधिक मूल्य पर कोल्ड-ड्रिंक विक्रय करने पर नापतौल विभाग ने दर्ज किये अपराधिक प्रकरण

**आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नियंत्रक नापतौल मध्यप्रदेश भोपाल श्री ब्रजेश सक्सेना और कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में भारत भूषण निरीक्षक सहायक नियंत्रक नापतौल विभाग को तहसील आलोट के दुकानदारों द्वारा शीतल पेय कोल्ड, ड्रिंकस पैकेज पर निर्माता द्वारा घोषित अधिकतम खुदरा विक्रय मूल्य से अधिक रूपये लेकर विक्रय करने की शिकायत प्राप्त हुई। तत्पश्चात् दल बनाकर आलोट स्थित स्थानीय बाजार की दुकानों पर जांच की गई। जांच के दौरान वैष्णवी सांची मिल्क पार्लर कारगील चौराहा आलोट, जोधपुर स्वीट्स एवं नमकीन कारगील चौराहा आलोट, सांवरिया किराना स्टोर्स कारगील चौराहा आलोट, आशीष बेकरी विक्रमगढ़ रोड़ आलोट, श्री बालाजी स्वीट्स नमकीन कार्नर स्टेशन रोड़ रतलाम, साईराम इन्टरप्राईजेस एवं ओम साईराम इंडस्ट्रीजए होटल एवं सीमेंट उत्पाद निर्माता विक्रेता मुंडलाकला फंटा ताल आलोट रोड़ ग्राम मुंडलाकला दुकानों पर निर्माता द्वारा घोषित अधिकतम खुदरा मूल्य से 5 रूपये से 15 रूपये अधिक लेकर पैकेज वस्तु विक्रय करना पाया गया जो विधिक मापविज्ञान; पैकेज वस्तु नियम के उल्लंघन और दण्डनीय होने से अपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किये गये।

कार्रवाई के दौरान साईराम इन्टरप्राईजेस एवं ओम साईराम इंडस्ट्रीज होटल एवं सीमेंट उत्पाद निर्माता विक्रेता मुंडलाकला फंटा ताल आलोट रोड़ ग्राम मुंडलाकला पर उपस्थित विक्रेता अपना नाम एवं पता बताये बिना दुकान से भाग गया इसलिए संबंधित दुकान के नाम एवं पते के आधार पर कार्यवाही की गई। जांच दल में श्री भारत भूषण निरीक्षक सहित श्री मोहनलाल खेर, श्री मयंक गोयल और श्री प्रवीण गेहलोत सहयोगी के तौर पर रहे।

# समाजसेवी मनीष चपलोत चातुर्मास समिति 2026 के सचिव मनोनीत, सकलेचा व बम ने दी बधाई

**नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आर्चय भगवन्त 1008 श्री रामलाल जी म? सा 0 की आज्ञानुवर्ती परम श्रद्धेया शासन दीपिका पूज्य श्री श्रीचारित्रप्रभा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-3 के आगामी भव्य चातुर्मास 2026 के सफल आयोजन को लेकर 24 जून 2026 को अतिथि भवन में चातुर्मास समिति की साधारण सभा समिति अध्यक्ष दिलीप कांठेड की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा के बाद सर्वसम्मति से चातुर्मास समिति 2026 का गठन किया गया।

सभा में समाजसेवी मनीष चपलोत को चातुर्मास समिति 2026 का सचिव मनोनीत किया गया। उनके मनोनयन पर उपस्थित सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव, संगठन क्षमता एवं समाजसेवा के प्रति समर्पण से समिति के कार्यों को नई गति मिलेगी तथा आगामी चातुर्मास आयोजन भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न होंगे।

बैठक में गठित चातुर्मास समिति 2026 में संरक्षक के रूप में चन्द्रशेखर जैन, चंदनमल संघवी एवं दिलीप ओरा को दायित्व सौंपा गया। अध्यक्ष पद पर दिलीप कांठेड, उपाध्यक्ष पद पर कल्पेश जैन एवं दिनेश ओरा, सचिव पद पर मनीष चपलोत, सह-सचिव पद पर सिद्धार्थ कांठेड एवं जयेश राठौर, कोषाध्यक्ष पद पर उमेश संघवी तथा मीडिया प्रभारी पद पर नितिन बुड़ावनवाला को मनोनीत किया गया।

नवनिर्वाचित सभी पदाधिकारियों का सदस्यों ने अभिनंदन करते हुए उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामना की। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि कुशल नेतृत्व, समर्पण एवं सामूहिक प्रयासों से चातुर्मास 2026 का आयोजन धर्म प्रभावना का प्रेरणास्रोत बनेगा।

राजेश सकलेचा एव अमित बम द्वारा चपलोत सहित सभी पदाधिकारीयो को  बधाई  व शुभकामनाए दी विशेष उल्लेखनीय है कि चातुर्मास 2026 के चारों माह के संपूर्ण अतिथ्य सत्कार का लाभ चातुर्मास समिति अध्यक्ष दिलीप कांठेड परिवार द्वारा लिया गया है।

## गरीब कीसान परिवार आर्थिक स्वालंबन में किस प्रकार खड़ा हो सकता है उसके लिए आंजना ने समाज के सामने  की अनोखी पहल

**उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कीसान की फसल खराब होने पर देश मे कई कीसानो ने आत्महत्या की उसी प्रकार का एक वाक्या गत वर्ष 2025 में सोयाबीन  की फसल खराब होने पर महिदपुर तहसील में पांच किसानों द्वारा आत्महत्या कर ली गई थी । सभी कीसानो के घरो पर संवेदना व्यक्त करने गये। एक किसान नेता पुर्व जनपद सदस्य बालेश्वर आंजना ग्राम करनावद  को ध्यान मे आया की एक किसान दिनेश शर्मा गांव खजुरिया मंसुर निवासी किसान के खेत पर फसल पक कर तैयार हो गई प्रकृति के द्वारा बे मौसम बारिश से किसान के खेत पर सोयाबीन की फसल पूरी तरह से नष्ट हो  गई थी जिससे किसान अपनी फसल को नष्ट देखते हुए सहन नहीं कर पाया व कर्ज  से परेशान होकर किसान दिनेश पिता जगदीश शर्मा ने आत्महत्या कर ली थी   आँजना द्वारा किसान के घर की स्थिति देख  परिवार को आश्वासन दिया इस दुख की घड़ी में मैं आपके साथ हूं मृतक के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं उनको देखकर आँजना का मन भर आया कुछ आर्थिक मदद कर कर वे लौट आए लेकिन उस परिवार की चिंता करते हुए उनको ध्यान में आया कि स्थाई समाधान कैसे किया जा सकता है तब  मृतक किसान के बड़े बेटे को  परिवार की सहमति से तथा माता माया बाई शर्मा एवं मामा प्रकाश  शर्मा की सहमति से बालक को उज्जैन गुरुकुल में पढ़ाने का निर्णय लिया गया आँजना  द्वारा बालक रोहित शर्मा को श्री उत्तमेश विद्यालय आवासी गुरुकुल में भेजा गया जिसका सारा खर्च किसान नेता बालेश्वर आँजना  द्वारा दिया गया ।  राजनीतिक क्षेत्र मे जहा नेता भष्टाचार  कर रहे है वही गरीब कीसान परिवार के आर्थिक समस्या का स्थाई समाधान ढूंढने का प्रयास करके ।मानव समाज में एक अनूठी पहल की है दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आंजना ने राजनैतिक लोगो व सामाजिक लोगो के लीये प्रेरणा का काम कीया है।  इससे परिवार में  बालक का गुरुकुल में भेजा गया जिससे बालक गुरुकुल से अपनी पढ़ाई पूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण कर सकेगा  । आँजना ने  गुरुकुल के चार वर्ष का जो कोर्स है उसका पूरा खर्च उठाने की बात कही  है  समाज के लिए एक अनूठी पहल की गई। आंजना अपने मित्र आशिष उपाध्याय व बालक के मामा व माता के साथ  बालक को गुरुकुल मे छोड भी आये। इस सकारात्मक पहल के लीये उनके इस्ट मित्रो व समाजजन ने उनका आभार कीया ।

## सुगम, प्रभावी एवं जनोन्मुखी प्रशासन स्थापित करना आयोग का लक्ष्य- अध्यक्ष श्री एस.एन. मिश्रा

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष श्री एस.एन. मिश्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, झाबुआ में प्रशासनिक इकाइयों के परिसीमन, पुनर्गठन एवं युक्तियुक्तकरण के संबंध में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोग के सदस्य श्री मुकेश कुमार शुक्ला, सचिव श्री अक्षय कुमार सिंह, कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट, पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस, कार्यप्रणाली, प्रश्नावली, प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया तथा विभिन्न विभागों एवं जनप्रतिनिधियों से प्राप्त होने वाले सुझावों एवं फीडबैक पर विस्तार से चर्चा की गई।

# सेवा संकल्प शिविर बना जीवनदायिनी पहलः मरीज को मिली निःशुल्क स्पाइन सर्जरी, चेहरे पर लौटी मुस्कान

## भारत विकास परिषद एवं सरदार पटेल हॉस्पिटल के संयुक्त प्रयास से जरूरतमंद मरीज को मिला नया जीवन

**बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सरदार पटेल हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर, बन्नाखेड़ा एवं भारत विकास परिषद शाखा जावरा के संयुक्त तत्वावधान में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 25, 26 एवं 27 के इकबालगंज क्षेत्र में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर न केवल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का माध्यम बना, बल्कि एक जरूरतमंद मरीज के लिए नई जिंदगी की उम्मीद भी लेकर आया।

शिविर में इकबालगंज, यादव मोहल्ला, स्टेशन रोड, रतलामी गेट एवं आसपास के क्षेत्रों के सैकड़ों नागरिकों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. संदीप जाट द्वारा मरीजों की जांच की गई। रक्तचाप, शुगर, हृदय रोग सहित विभिन्न बीमारियों की जांच के दौरान एक गंभीर स्पाइन (रीढ़) रोग से पीड़ित मरीज की पहचान की गई।

मरीज की स्थिति को देखते हुए भारत विकास परिषद एवं सरदार पटेल हॉस्पिटल प्रबंधन ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए उसकी निःशुल्क स्पाइन सर्जरी कराने का निर्णय लिया। सफल ऑपरेशन के बाद मरीज के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ और उसके परिवार ने संस्था एवं चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिविर में भारत विकास परिषद के अध्यक्ष शेखर नाहर, सचिव गोपाल सेठिया, पूर्व अध्यक्ष पप्पू सिंह (एलआईसी), वार्ड पार्षद तेज सिंह, कालू कदम, वरिष्ठ समाजसेवी कैलाश माली एवं सुनील सैनी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

वहीं सरदार पटेल हॉस्पिटल की ओर से मार्केटिंग मैनेजर प्रेम बनोपा, जनसंपर्क अधिकारी मेहमूद अली अब्बासी तथा सरदार पटेल नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों ने घोषणा की कि आगामी जुलाई माह में सरदार पटेल हॉस्पिटल परिसर में वृहद रक्तदान शिविर, टीकाकरण शिविर एवं आयुष्मान भारत सहायता केंद्र का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से हजारों नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं एवं सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान यह संदेश दे रहा है कि जब सामाजिक संस्थाएं और चिकित्सा संस्थान मिलकर सेवा का संकल्प लेते हैं, तब जरूरतमंदों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन संभव हो पाता है। निःशुल्क स्पाइन सर्जरी इसका जीवंत है।

**नाम परिवर्तन सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मुझ शपथ ग्रहिता की पुत्री आरना पाटीदार Aarna Patidar पिता सुनील पाटीदार Sunil Patidar को ST. THOMAS HIGHER SECONDARY SCHOOL BARNAGAR मे भरती करवाने समय मुझ शपथग्रहिता ने अपनी पुत्री का नाम AARANA पिता का नाम SUNIL PATIDAR लिखा दिया था जो कि, अब मुझे बदलबा कर मेरी पुत्री का नाम Aarna Patidar व पिता का नाम SUNIL PATIDAR आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज के अनुसार विघालय के रिकार्ड में दर्ज करवाना है।

भवदीय - सुनील पाटीदार
16, नगर पालिका के पीछे, व्यास कॉलोनी बडनगर जिला उज्जैन म.प्र.

# मोहर्रम जुलूस को लेकर बढ़ा विवाद: 'आतंकी प्रदर्शन' के आरोप, सख्त कार्रवाई की मांग

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** मोहर्रम के जुलूस को लेकर बड़नगर में विवाद गहरा गया है। विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल ने प्रशासन को पत्र सौंपकर जुलूस के दौरान कथित आतंकवादी दृश्य प्रदर्शन और माहौल बिगाड़ने के आरोप लगाते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

क्या है पूरा मामला- 23 जून 2026 को बड़नगर के जयस्तंभ चौक पर निकले मोहर्रम जुलूस के दौरान कुछ लोगों द्वारा बिना अनुमति के कथित रूप से आपत्तिजनक और भय पैदा करने वाले दृश्य प्रस्तुत किए गए। आरोप है कि इस दौरान ऐसे दृश्य दिखाए गए जिनसे आम नागरिकों में डर और तनाव का माहौल बना।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि जुलूस के दौरान एक वाहन को क्रेन से ऊपर लटकाकर विस्फोटक जैसा प्रदर्शन किया गया, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन सकती थी।

धार्मिक भावनाएं भड़काने और दंगा फैलाने का प्रयास- विश्व हिन्दू परिषद के अनुसार, इस प्रकार के प्रदर्शन का उद्देश्य धार्मिक भावनाएं भड़काना, समाज में भय फैलाना और सांप्रदायिक तनाव पैदा करना था। संगठन ने इसे गंभीर साजिश बताते हुए कहा कि ऐसे कृत्य कानून व्यवस्था के लिए खतरा हैं।

प्रशासन से क्या मांग की गई- संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि- जुलूस के आयोजकों और संबंधित लोगों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए, घटना में उपयोग किए गए वाहनों को जब्त किया जाए, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी सजा दी जाए, भविष्य में ऐसे आयोजनों पर कड़ी निगरानी रखी जाए, कई अधिकारियों को भेजी गई प्रति, यह ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी, कलेक्टर उज्जैन, पुलिस अधीक्षक उज्जैन और थाना प्रभारी बड़नगर को भी भेजा गया है।

माहौल पर असर- इस घटनाक्रम के बाद बड़नगर में चर्चा का माहौल गरम है। आम नागरिकों में भी इस तरह के आयोजनों को लेकर चिंता देखी जा रही है।

# दिनांक 28 जुन 2026 पल्स पोलियो जागरूकता हेंतू वाहन रेली

## 3 दिवसीय पल्स पोलियो अभियान 28 जुन 2026 से होगा शुरू,5 वर्ष तक के बच्चें होंगे कवर

**खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** गुरुवार दिनांक 25.06.2026 को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के सघन प्रचार-प्रसार हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दौलत सिंह चैहान ने पुराना अस्पताल परिसर से हरी झंडी दिखाकर वाहन रेली को रवाना किया, यह वाहन रेली पुराना अस्पताल परिसर,एमजी रोड, श्रीकृष्ण टाकिज, बस स्टेड गायत्री मंदिर होते हुये जिला चिकित्सालय पहुंची, जिसमें विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दौलतसिंह चैहान द्वारा कहा गया कि हमारा भारत देश पोलियो मुक्त हो चुका है, परन्तु हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में पोलियो के केश अभी भी पाये जा रहे। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.धिरेन्द्र पंवार द्वारा बताया गया की दिनांक 28.29,व 30 जुन 2026 को सम्पूर्ण जिलें में राष्ट्रीयपल्स पोलियों अभियान संपादित किया जाना हैं, अभियान अन्तर्गत जन्म से लेकर पॉच वर्ष तक के कुल 255093 बच्चों को पोलियों रोधी दवाई पिलवाई जावेगी। अभियान की सफलता हेतु अग्रिम तैयारीयॉ पूर्ण कर ली गई हैं,जिले में कुल 2040 बुथ,61 मोबाईल टीम का गठन किया गया हैं, तथा पोलियों रोधी दवाई पिलवाने हेतु कुल 4190 कार्यकर्ताओं द्वारा सेवाओं की प्रदायगी की जावेगी, दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता एवं निरन्तरता बनाये रखने के लिये जिला एवं ब्लॉक स्तर से 229 पर्यवेक्षकों के दलो का गठन किया गया हैं। रेली में उपस्थित समस्त अधिकारियो, कर्मचारियो का आभार डॉ धीरेन्द्र पॅवार द्वारा व्यक्त किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महोदय डॉ. दौलतसिंह चैहान द्वारा जन समुदाय से यह अपील की जाती है कि अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को अभियान के प्रथम दिन 28 जुन 2026 को ही अपने नजदीकी बूथ पर पोलियों रोधी खुराक अवश्य पिलावें।

# रिलीव होने से पहले रिश्वतखोरी में ट्रैप हुए जिला संयोजक राकेश राठौर

## नीमच में लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, दो अधिकारी गिरफ्तार

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के कलेक्टोरेट परिसर में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब लोकायुक्त संगठन उज्जैन की टीम ने आदिम जाति कल्याण विभाग में बड़ी ट्रैप कार्रवाई करते हुए जिला संयोजक राकेश राठौर और उत्कृष्ट बालक छात्रावास नीमच के अधीक्षक हरीश चौहान को 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई की खबर फैलते ही कलेक्टोरेट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और पूरे दिन इस मामले की चर्चा होती रही।

लोकायुक्त से मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता कुर्दुला एक्का, अधीक्षिका, जूनियर कन्या छात्रावास कुकड़ेश्वर ने उज्जैन लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि छात्रावास में कथित अनियमितताओं के चलते उन्हें निलंबित कर विभागीय जांच शुरू की गई थी। आरोप है कि जांच में सहयोग करने और उनका लंबे समय से रुका हुआ वेतन जारी कराने के बदले जिला संयोजक राकेश राठौर एवं छात्रावास अधीक्षक हरीश चौहान द्वारा 1 लाख 25 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की गई थी।

शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त टीम ने मामले का सत्यापन किया। शिकायत सही पाए जाने पर योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की गई। तय योजना के अनुसार गुरुवार को जैसे ही रिश्वत की राशि का लेन-देन हुआ, लोकायुक्त टीम ने दबिश देकर दोनों आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

कार्रवाई के दौरान 1 लाख रुपये की रिश्वत राशि हरीश चौहान की पैंट की दाहिनी जेब से बरामद की गई। इसके बाद मौके पर ही आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई की गई और दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया।

गौरतलब है कि आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक राकेश राठौर का हाल ही में नीमच से तबादला हो चुका है, लेकिन वे अभी तक कार्यमुक्त (रिलीव) नहीं हुए थे। सूत्रों के अनुसार तबादले के बाद भी वे नीमच में पदस्थ रहते हुए विभागीय कार्यों का संचालन कर रहे थे। इसी बीच लोकायुक्त उज्जैन की ट्रैप कार्रवाई में वे रिश्वत लेते हुए पकड़े गए। लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित अधिनियम 2018) की धारा-7 तथा भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

यह पूरी कार्रवाई लोकायुक्त महानिदेशक योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार यादव के मार्गदर्शन में की गई। ट्रैप दल का नेतृत्व डीएसपी दिनेशचंद्र पटेल ने किया।

# दरिंदे को मिला 20 साल का कड़ा सबक: नाबालिग से दरिंदगी करने वाला आरोपी सजा पाकर पहुंचा जेल

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** महिलाओं और मासूम बच्चियों के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर लगाम कसते हुए न्यायालय ने एक बड़ा और सख्त फैसला सुनाया है। नाबालिग के अपहरण और बलात्कार के सनसनीखेज मामले में आरोपी अंकुश खराड़ी को अदालत ने 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाकर समाज को कड़ा संदेश दिया है।

यह फैसला 25 जून 2026 को सुनाया गया, जिसने यह साफ कर दिया कि अब बेटियों की अस्मिता से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

घटना ने हिला दिया था क्षेत्र- 15 अक्टूबर 2024 को पीड़िता की मां ने थाना बड़नगर में अपनी नाबालिग बेटी के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामला सामने आते ही पुलिस हरकत में आई और गंभीरता से जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान 6 नवंबर 2024 को पुलिस ने आरोपी अंकुश खराड़ी (निवासी खेड़ा, थाना बदनावर, जिला धार) के कब्जे से पीड़िता को बरामद किया। पीड़िता के बयान सामने आने के बाद मामला और भी गंभीर हो गया, जिसमें बलात्कार और पॉक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं।

पुलिस की सख्त कार्रवाई, मजबूत साक्ष्य- बड़नगर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया और जेल भेज दिया। मामले की विवेचना के दौरान जुटाए गए पुख्ता साक्ष्य और गवाहों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया।

अदालत का कड़ा रुख-माननीय न्यायालय ने आरोपी को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी मानते हुए 20 साल की सजा सुनाई। यह फैसला समाज में कानून के डर को और मजबूत करता है।

पुलिस टीम और अभियोजन की अहम भूमिका- इस पूरे प्रकरण में थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंगार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सराहनीय कार्य किया। टीम के अन्य सदस्यों और विशेष लोक अभियोजन अधिकारी श्रीमती भारती उज्जालिया की मजबूत पैरवी ने आरोपी को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

# कांग्रेस सोशल मीडिया वॉरियर्स अभियान के तहत जिला कांग्रेस कार्यालय में इंटरव्यू सेशन संपन्न हुआ

**खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कांग्रेस आईटी सेल द्वारा जिला स्तर पर सोशल मीडिया वॉरियर्स अभियान अर्थात कांग्रेस सोशल योद्धा अभियान के तहत सक्रिय युवाओं के चयन हेतु इंटरव्यू सेशन जिला कांग्रेस कार्यालय खरगोन में आयोजित किया गया। जिसके तहत खरगोन जिले में 72 युवाओं ने सोशल मीडिया वॉरियर्स के लिए ऑनलाइन आवेदन किए थे जिनके आज जिला कांग्रेस कार्यालय में साक्षात्कार लिए गए। उक्त जानकारी सोशल मीडिया आईटी सेल खरगोन के जिला अध्यक्ष महेंद्र जाट ने देते हुए बताया कि इंटरव्यू के पश्चात समस्त जानकारी मध्य प्रदेश सोशल मीडिया विभाग में भेजी जाएगी जहां पर सोशल मीडिया वॉरियर्स का चयन किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि इंटरव्यू सेशन को जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नाईक,सोशल मीडिया प्रदेश उपाध्यक्ष एवं खरगोन के प्रभारी विवेक मोगरे, सोशल मीडिया मध्य प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, व स्वयं सोशल मीडिया जिला अध्यक्ष महेंद्र जाट, जिला कांग्रेस महासचिव संगठन जितेंद्र भावसार द्वारा संपन्न किया गया। उन्होंने आगे बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कांग्रेस को और सशक्त और मजबूत बनाने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले में यह अभियान चलाया जा रहा है इस अभियान में कांग्रेस विचारधारा के सक्रिय युवाओं को जोड़ा जाएगा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष निर्वाचन प्रभारी कादर बेग, विजय चौहान जिला अध्यक्ष पंचायत राज प्रकोष्ठ,आईटी सेल विधानसभा महेश्वर के अध्यक्ष जितेंद्र पाटीदार, भगवान सिंह मंडलोई ऊन, राकेश यादव कसरावद, बाबूलाल बरडे खरगोन, विवेक गौतम सनावद, सहित बड़ी संख्या में सोशल मीडिया के सक्रिय साथी मौजूद थे।

# श्री महाराणा प्रताप मूर्ति अनावरण एवं समाज गौरव सम्मान समारोह का आयोजन 27 जून 2026 शनिवार को

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** दिग्विजय समाज उत्थान समिति,बड़नगर के तत्वावधान में पाला रोड स्थित महाराणा प्रताप राजपूत बोर्डिंग हाउस में शौर्य, स्वाभिमान एवं राष्ट्रभक्ति के अमर प्रतीक, वीर शिरोमणि, क्षत्रिय कुलभूषण, मेवाड़ नरेश श्री महाराणा प्रताप सिंह जी की जयंती के उपलक्ष्य में 27 जून 2026 शनिवार दोपहर 12.15 बजे श्री महाराणा प्रताप मूर्ति अनावरण,टिनशेड,रसोईघर व नव-श्रृंगारित बोर्डिंग हाउस का लोकार्पण साथ ही समाज गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री राजा सा दिग्विजय सिंह जी (पूर्व मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश) होंगे। विशेष अतिथि के रूप में श्री जसवंत सिंह जी हाडा ( पूर्व विधायक,शुजालपुर)उपस्थित रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता श्री सुरेंद्र सिंह जी सिसोदिया (पूर्व विधायक,बड़नगर ) करेंगे। उपरोक्त जानकारी देते हुए संस्था अध्यक्ष नारायण सिंह राठौर ने बताया कि समारोह में समाज के प्रति उत्कृष्ट सेवा देने वालो और समर्पण के लिए राजपूत समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों का अभिनंदन एवं सम्मान किया जाएगा। साथ ही समारोह में अतिथियों द्वारा राष्ट के गौरव श्री महाराणा प्रताप सिंह जी की मूर्ति का अनावरण,निर्मित द्वार, टिनशेड, रसोईघर व नव-श्रृंगारित बोर्डिंग हाउस का लोकार्पण भी किया जाएगा। समारोह को सफल बनाने का अनुरोध श्री वीरेंद्र सिंह सिसोदिया, श्री जालम सिंह चावडा, श्री होशियार सिंह राजावत,श्री विक्रम सिंह कंथारखेडी,श्री जालम सिंह राजावत,श्री भोम सिंह पंवार,श्री लाल सिंह पंवार,श्री कांहा सिंह राठौर, श्री अर्जुन सिंह पंवार,डा. नरेंद्र सिंह राजावत,केवल सिंह राजावत,धनंजय सिंह सिसोदिया,मदन सिंह चावडा,दिलीप सिंह झाला, सहित दिग्विजय समाज उत्थान समिति एंव समस्त राजपूत संगठनो ने किया है ।

# कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल इंदौर में चिल्ड्रन्स हार्ट सेंटर की शुरूआत; बच्चों के हृदय के इलाज के लिए अब इंदौर में ही मिलेंगे कोकिलाबेन मुंबई हॉस्पिटल के टॉप सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टर

कोकिलाबेन हॉस्पिटल, मुंबई के विशेषज्ञ डॉक्टर अब इंदौर में पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी (बच्चों के हृदय के रोग), ऑन्कोलॉजी (कैंसर), इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, न्यूरोसाइंस (दिमाग और नसों के रोग) और ट्रांसप्लांटेशन (अंग प्रत्यारोपण) विभागों में नियमित ओपीडी और उन्नत इलाज एवं ऑपरेशन करेंगे। इस तरह मध्य प्रदेश और पड़ोसी क्षेत्रों में विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को और भी बेहतर बनाया जाएगा।

इंदौर- कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर ने अपने विशेष चिल्ड्रन्स हार्ट सेंटर की शुरूआत करने की आधिकारिक तौर पर घोषणा की है। इसके साथ ही, अस्पताल ने यह भी बताया कि हमारे कोकिलाबेन मुंबई हॉस्पिटल के सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टर अब नियमित रूप से इंदौर का दौरा करेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश और पड़ोसी क्षेत्रों के मरीज़ों तक सुपर-स्पेशलिटी इलाज पहुँचाना है। इसके लिए हमारे कोकिलाबेन मुंबई हॉस्पिटल के अन्य विशेषताओं के अनुभवी डॉक्टर इंदौर में नियमित रूप से सेवाएं देंगे। यहाँ मरीज़ों को पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही, न्यूरोसाइंस और ट्रांसप्लांटेशन विभागों के लिए भी विशेष सेवाएं शुरू की गई हैं। इन सभी विभागों में अब शेड्यूल्ड कन्सल्टेशन, उन्नत इलाज और ऑपरेशन की सुविधाएं इंदौर में ही मिलेंगी। यह नया चिल्ड्रन्स हार्ट सेंटर इस क्षेत्र में बच्चों के लिए आधुनिक और विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के अस्पताल के संकल्प को और मज़बूत करता है।

नया शुरू किया गया चिल्ड्रन्स हार्ट सेंटर बच्चों के हृदय की छिपी या अनजानी बीमारियों की गंभीर चुनौती को दूर करने का काम करेगा। इसके लिए यहाँ एक अनुभवी और मल्टीडिसिप्लिनरी डॉक्टरों की टीम द्वारा सही समय पर सटीक जांच, आधुनिक इलाज और विशेष कार्डियक केयर की सुविधा दी जाएगी। यह सेंटर बच्चों के हृदय के इलाज के लिए आधुनिक जांच और उपचार से जुड़ी व्यापक सेवाएं देता है। यहाँ उपलब्ध विशेष सुविधाओं में गर्भ में पल रहे शिशु और बच्चों के हृदय की विशेष जांच के लिए फीटल और पीडियाट्रिक इकोकार्डियोग्राफी शामिल है। इसके साथ ही, जन्मजात हृदय के छेद को बिना बड़ी सर्जरी के बंद करने के लिए एएसडी, वीएसडी और पीडीए डिवाइस क्लोजर जैसी आधुनिक तकनीक भी उपलब्ध है। यहाँ बच्चों के हृदय के बेहद जटिल ऑपरेशनों के लिए अत्यधिक एडवांस्ड पीडियाट्रिक सर्जरी की सुविधा भी मिलेगी। इन आधुनिक सर्जरी में आर्टीरियल स्विच, टीएपवीसी रिपेयर, फॉन्टेन रिपेयर और टेट्रालॉजी ऑफ फैलो (नीले बच्चे की बीमारी का ऑपरेशन) जैसे बड़े और जीवनरक्षक इलाज शामिल हैं।

कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल के सीईओ और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. संतोष शेट्टी ने कहा, बच्चों के हृदय रोगों के मामले में सही समय पर बीमारी की पहचान होना और तुरंत इलाज मिलना ही सबसे महत्वपूर्ण है। हमारा यह नया चिल्ड्रन्स हार्ट सेंटर, बच्चों को बेहतरीन और विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाएं देने के हमारे इसी निरंतर प्रयास का नतीजा है। इसके साथ ही, हमारे कोकिलाबेन मुंबई हॉस्पिटल के अन्य विशेषताओं के टॉप सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टर अब लगातार इंदौर में उपलब्ध रहेंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि पूरे मध्य प्रदेश के परिवारों को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर का इलाज कराने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि यह विश्वस्तरीय सुविधा उन्हें अपने घर के पास ही मिल जाएगी।

कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर के वाइस प्रेसिडेंट सुनील मेहता ने कहा, बच्चों के हृदय रोगों के लिए इस विशेष सेंटर को शुरू करके हमने इस पूरे क्षेत्र में नवजात शिशुओं और बच्चों के लिए सुपर-स्पेशलिटी हृदय देखभाल सुविधाओं की एक बहुत बड़ी जरूरत को यहीं पूरा कर दिया है। इसके साथ ही, विभिन्न विभागों में हमारे मुंबई कोकिलाबेन हॉस्पिटल के सबसे बेहतरीन सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के पैनल के आने से, हमारे मरीज़ों के लिए मल्टी-स्पेशलिटी केयर का एक नया दौर शुरू हो रहा है। यह पहल मध्य भारत के सबसे भरोसेमंद मेडिकल डेस्टिनेशन के रूप में हमारी पहचान को और मज़बूत करती है।

कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई के चिल्ड्रन्स हार्ट सेंटर के डायरेक्टर और कंसलटेंट पीडियाट्रिक एंड कॉन्जेनिटल हार्ट सर्जन डॉ. सुरेश राव ने कहा, हर बच्चे को बिना लंबी दूरी की यात्रा की परेशानी झेले, विश्वस्तरीय हृदय देखभाल सेवाएं मिलनी चाहिए। हमारे इस नए चिल्ड्रन्स हार्ट सेंटर में हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता बच्चों को समय पर सही जांच और इलाज देना है। इसके लिए यहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की एक समर्पित टीम मौजूद रहेगी, जो सर्जरी और अन्य उपचारों के लिए सबसे आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने में पूरी तरह प्रशिक्षित है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा आत्मनिर्भर और निरंतर चलने वाला सेंटर विकसित करना है, जो मध्य प्रदेश और इसके पड़ोसी क्षेत्रों के समाज के सभी आर्थिक वर्गों के परिवारों के बच्चों की जटिल से जटिल हृदय बीमारियों का इलाज करने में पूरी तरह सक्षम हो।

चिल्ड्रन्स हार्ट सेंटर शुरू होने के साथ ही, अब हमारे कोकिलाबेन मुंबई हॉस्पिटल के अन्य विशेषताओं के बड़े डॉक्टर भी नियमित रूप से इंदौर के अस्पताल में आया करेंगे। इससे मरीजों को कई अन्य गंभीर बीमारियों के लिए भी बहुत बेहतरीन इलाज मिल सकेगा। अब लोगों को डॉक्टर से सलाह लेने, बड़े ऑपरेशन कराने या इलाज के बाद डॉक्टर को दिखाने के लिए दूसरे बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। यह सारा इलाज अब उन्हें अपने घर के पास ही मिल जाएगा। मुंबई के ये डॉक्टर्स कब-कब इंदौर आएंगे और ऑपरेशन करेंगे, इसकी पूरी जानकारी अस्पताल द्वारा जल्द ही दी जाएगी।

हर जीवन महत्वपूर्ण है के मूल मंत्र पर चलते हुए, कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल लगातार काम कर रहा है। अस्पताल पूरे भारत में अपने सबसे आधुनिक सेंटर्स चलाता है। इन सभी सेंटर्स में बेहद अनुभवी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम चौबीसों घंटे सेवाएं देती है।

# मुख्य सचिव ने जिलों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कानून व्यवस्था, सुशासन, स्वास्थ्य एवं पोषण, जनजातीय कार्य, शिक्षा तथा विभिन्न विभागों की प्राथमिकताओं एवं शासन की योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में कानून व्यवस्था एवं गृह विभाग से संबंधित बिंदुओं पर विशेष चर्चा की गई। शैक्षणिक संस्थानों को पूर्णतः ड्रग फ्री जोन बनाने, एनसीओआरडी (ह्ष्ह्रक्रष्ठ) बैठकों की नियमित समीक्षा, साइबर धोखाधड़ी से बचाव के लिए हेल्पलाइन 1930 के व्यापक प्रचार-प्रसार, पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत जिला स्तरीय अनुपालन दर में सुधार, विस्फोटक अधिनियम के प्रभावी अनुपालन तथा नवीन न्याय संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया।

सुशासन के अंतर्गत भू-आवंटन संबंधी सभी प्रकरणों का निराकरण आर.सी.एम.एस. के भू-आवंटन मॉड्यूल के माध्यम से किया जाए।

स्वास्थ्य एवं पोषण विभाग की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त मैदानी भ्रमण को प्राथमिकता देने, प्रथम त्रैमास में एएनसी पंजीयन में आने वाली समग्र आईडी संबंधी समस्याओं का समयबद्ध निराकरण, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के समुचित प्रबंधन, ब्लड कलेक्शन एवं बर्थ प्लानिंग की व्यवस्था, अनमोल पोर्टल पर समयसीमा में डिलीवरी अपडेट, प्रसूति सहायता योजना के लंबित भुगतान, मातृ एवं शिशु मृत्यु की नियमित रिपोर्टिंग एवं समीक्षा तथा मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत चिन्हित सभी नवीन एसएएम, एमएएम एवं एसयूडब्ल्यू बच्चों का रियल टाइम में शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में आगामी दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान (14 जुलाई से 31 अगस्त 2026) की तैयारियों की समीक्षा भी की गई। अभियान के पूर्व सभी पेयजल स्त्रोतों की जल गुणवत्ता की जांच, क्लोरीनीकरण की प्रभावी व्यवस्था, कुओं की साफ-सफाई, खराब हैंडपंपों की समयबद्ध मरम्मत, शहरी क्षेत्रों में जल भंडारण संरचनाओं की सफाई, क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की मरम्मत तथा अनुपयुक्त जल स्त्रोतों पर चेतावनी सूचना पट्ट लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर भ्रमण कर बाल्यकालीन बीमारियों की जांच तथा ओआरएस एवं जिंक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

# सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत पुलिस ने छात्राओं को किया साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक

**सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड।** राज्य स्तरीय साइबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0÷ के तहत गुरुवार को शासकीय कन्या शाला स्कूल, सुसनेर में पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को ऑनलाइन ठगी से बचाव, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग एवं साइबर अपराधों की रोकथाम संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर फ्रॉड का शिकार होता है तो तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते कार्रवाई कर आर्थिक नुकसान को रोका जा सके। साथ ही सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक कराने तथा राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया भी विस्तार से समझाई गई।

पुलिस ने छात्राओं को फर्जी कॉल, फिशिंग लिंक, सोशल मीडिया फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी शेयर करने के खतरे तथा ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते, एटीएम, ओटीपी या पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी साझा न करें और किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रश्न भी पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने विस्तार से उत्तर दिया। अंत में पुलिस ने सभी छात्राओं से अपील की कि किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा )

# मोहर्रम जुलूस में 40 फीट ऊपर लटकाई वैन, विस्फोट से उड़ाया

**वैन पर लिखा था- ले फिर आ गए-वीडियो वायरल होने के बाद चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मोहर्रम के जुलूस के दौरान उज्जैन के समीप बड़नगर में हुआ हैरतअंगेज और विवादित प्रदर्शन अब पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। 23 जून की रात अड़ान मोहल्ले से निकले मोहर्रम जुलूस में एक टाटा मैजिक वैन को क्रेन की मदद से करीब 40 फीट ऊंचाई पर हवा में लटकाया गया और फिर उसमें जोरदार विस्फोट कर दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही प्रशासन पुलिस हरकत में आ गया ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जुलूस में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। क्रेन से लटकाई गई वैन के ऊपर दो युवक खड़े होकर लाल झंडे लहरा रहे थे। कुछ देर तक प्रदर्शन के बाद वैन के अंदर विस्फोटक सामग्री जैसी व्यवस्था कर धमाका किया गया। धमाके के साथ वैन के कांच टूटकर बिखर गए और आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। जिस वैन में विस्फोट किया गया, उस पर बड़े अक्षरों में ले फिर आ गए लिखा हुआ था।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो- घटना के कई वीडियो और फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हुए। बताया गया है कि परवेज एडिट्सट्व2.0 नामक इंस्टाग्राम आईडी पर इस प्रदर्शन के वीडियो अपलोड किए गए थे। वीडियो में न केवल वैन में विस्फोट दिखाई दे रहा है, बल्कि कई अन्य हैरतअंगेज स्टंट और आतिशबाजी जैसे प्रदर्शन भी नजर आ रहे हैं। कुछ वीडियो में एक युवक को हवा में लटकाकर करतब दिखाए जाने के दृश्य भी सामने आए हैं।

संतों और हिंदू संगठनों ने जताई आपत्ति- वीडियो वायरल होने के बाद हरिद्वार के संत स्वामी शिवानंद गिरि ने सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने सवाल उठाते हुए लिखा कि इस तरह के प्रदर्शन से गलत संदेश जा सकता है और यह प्रतीत होता है जैसे किसी विशेष वर्ग को धमकी देने का प्रयास किया जा रहा हो। वहीं, हिंदू जागरण मंच ने भी प्रशासन से जवाब मांगा है। उनका कहना है कि जुलूस में जिस प्रकार क्रेन पर वाहन लटकाकर विस्फोट किया गया और उस पर आपत्तिजनक संदेश प्रदर्शित किए गए, उसकी अनुमति किस आधार पर दी गई। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर - मामला तूल पकड़ने के बाद उज्जैन पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। एडिशनल एसपी करनदीप सिंह ने बताया कि बड़नगर के अड़ान मोहल्ले में हुए इस घटनाक्रम को गंभीरता से लिया गया है। पुलिस ने आयोजक शोएब खान, वाहन पर झंडा लहराने वाले तालीम खान और जाहिद खान, तथा क्रेन मालिक गोपाल माली के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 125, 285, 286 और 287 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। चारों आरोपियों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अनुमति जुलूस की थी, धमाके की नहीं- एएसपी करनदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि प्रशासन ने केवल मोहर्रम जुलूस निकालने की अनुमति दी थी। किसी भी प्रकार के विस्फोटक प्रदर्शन या वाहन में धमाका करने की अनुमति नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधि पूरी तरह गैरकानूनी है और इससे लोगों की जान को खतरा हो सकता था।

भीड़ जुटाने की होड़ में खतरनाक प्रदर्शन- पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मोहर्रम के दौरान विभिन्न अखाड़ों के बीच आकर्षक प्रदर्शन दिखाने की प्रतिस्पर्धा रहती है। अधिक भीड़ जुटाने और सोशल मीडिया पर ज्यादा व्यूज पाने के लिए ऐसे जोखिम भरे प्रयोग किए जाते हैं। इसी होड़ में इस बार वाहन को हवा में लटकाकर विस्फोट करने का प्रदर्शन किया गया।

रॉकेट्स से बना ब्लास्ट जैसा नजारा- पुलिस के अनुसार जांच में यह सामने आया है कि वाहन में किसी उच्च क्षमता वाले विस्फोटक का इस्तेमाल नहीं किया गया था। दीपावली में उपयोग होने वाले कई रॉकेट एक साथ जलाए गए थे। वैन के कांच बंद होने के कारण अंदर गैस और धुएं का दबाव बढ़ गया। जब दबाव अधिक हुआ तो कांच टूटकर बाहर निकले और पूरा दृश्य किसी बड़े धमाके जैसा दिखाई दिया।

पुलिस प्रशासन पर भी उठे सवाल- घटना के वीडियो सामने आने के बाद प्रशासनिक निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि हजारों लोगों की मौजूदगी में इस तरह का खतरनाक प्रदर्शन हुआ, फिर भी समय रहते इसे रोका क्यों नहीं गया। अब पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही है और जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी है। फिलहाल वायरल वीडियो ने मोहर्रम के जुलूस को विवादों के केंद्र में ला दिया है और बड़नगर का यह मामला प्रदेशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

## 24 घंटे में उज्जैन में एक इंच बारिश, रातभर बरसते रहे बादल

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में बुधवार दोपहर बाद शुरू हुआ बारिश का दौर बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात तेज हो गया। रातभर रुक-रुक कर हुई बारिश से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस से राहत मिली। पिछले 24 घंटे में उज्जैन शहरी क्षेत्र में वेधशाला पर 24 मिमी (करीब एक इंच) वर्षा दर्ज की गई। बारिश के चलते शहर की सड़कों और निचले इलाकों में पानी जमा होने की स्थिति भी बनी, वहीं किसानों और आम लोगों ने इस बारिश को राहतभरी बताया। गुरुवार सुबह भी आसमान में बादल छाए रहे और मौसम ठंडा बना रहा। वेधशाला अधीक्षक डॉक्टर आरपी गुप्त के अनुसार वातावरण में नमी बनी हुई है तथा आगामी घंटों में भी शहर और आसपास के क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है। बादलों की आवाजाही लगातार जारी रहने से दिनभर मौसम खुशनुमा रहने के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसूनी गतिविधियां सक्रिय होने से आने वाले दिनों में भी अच्छी बारिश का दौर जारी रह सकता है।

## ई-रिक्शा को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर यात्री की मौत

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** आधी रात को ई रिक्शा से गणेशपुरा जा रहे झारड़ा के युवक की दुर्घटना में मौत हो गई। रिक्शा का चालक घायल हुआ है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है।

झारडा के ग्राम नलखेड़ा से सुमेर पिता रमेश 35 साल उज्जैन आया था। आगर रोड पर बस से उतरने के बाद रात 12 बजे के लगभग वह ई रिक्शा में सवार होकर मक्सी रोड स्थित गणेशपुरा जा रहा था। रिक्शा चालक लीलाधर पिता कनीराम सोलंकी निवासी कोठी लाइन मक्सी रोड सब्जी मंडी तक पहुंचा था इस दौरान पीछे से आए अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना होते ही रिक्शा पलटी खा गया। टक्कर मारने वाला वहां मौके से भाग निकला। दुर्घटना की जानकारी लगते ही रात 12:30 बजे माधव नगर थाना पुलिस मक्सी रोड सब्जी मंडी पहुंची और दो घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां सुमेर को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। रिक्शा चालक का उपचार चल रहा है। पुलिस के अनुसार मृतक के पास मिले दस्तावेजों से उसकी पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। रात में ही परिजन उज्जैन पहुंच गए थे गुरुवार सुबह मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है इस दौरान सामने आया कि मृतक उज्जैन में रिश्तेदारों से मिलने के लिए आया था। पुलिस दुर्घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखकर टक्कर मारने वाले वाहन का पता लग रही है।

**दुर्घटना में घायल की मौत**

आगर के बड़ोद जिले से बुधवार शाम को मानसिंह पिता रघु सिंह सोंधिया 51 साल निवासी लोटिया कृष्णा को गंभीर घायल हालत में उज्जैन चरक अस्पताल लाया गया था जहां कुछ देर बाद मानसिंह की मौत हो गई। आज सुबह अस्पताल पुलिस चौकी ने पोस्टमार्टम कराया परिजनों ने बताया कि बड़ोद में फोरलेन पर पोस्टर लगाने का काम करते थे। दोपहर में स्टीकर लगा रहे थे इस दौरान तेज गति से आए बहन ने टक्कर मारी थी। चौकी पुलिस के अनुसार मामले की जांच बड़ोद पुलिस को भेजी जाएगी।

## 9 दिन बाद पकड़ाये हफ्ता मांगने वाले 2 बदमाश

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** खुद का दादा पहलवान बताकर हफ्ता मांगने वाले 2 बदमाशों को 9 दिन की तलाश के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल की सलाखों में भेज दिया। बदमाशों के 2 साथी फरार है, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी है। महिदपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि 14 जून को जवाहर मार्ग पर रहने वाले मोहम्मद शाहिद शेख को चार बदमाशों ने रोका था और कहा कि हम दादा-पहलवान है। महिदपुर में रहना है तो हफ्ता देना होगा। मो. शाहिद ने विरोध किया तो चारों ने मारपीट की और कहा कि अगर आगे से मना किया तो जान से मार देगें। मामले में मो. शाहिद की शिकायत पर चार बदमाशों जवाब पिता मुजम्मिल शाह, शाहनवाज उर्फ गोलू पिता कासम शाह, अब्दुल वहाब पिता मुजम्मिल और अब्दुल खालिद पिता युसुफ निवासी फकीर मोहल्ला के खिलाफ अवैध वसूली, मारपीट और धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया गया। चारों की गिरफ्तारी के लिये एसआई सुखसेन अरियाम, एएसआई वीपी सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक विजयसिंह, आरक्षक आदिशम, प्रवीण की टीम गठित की गई। 9 दिनों की तलाश के बाद मंगलवार रात आरोपी अब्दुल वहाब और शाहनवाज उर्फ गोलू को महिदपुर नगीना मस्जिद के पास से गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी के अनुसार अब्दुल वहाब के खिलाफ 9 और शाहनवाज के खिलाफ पूर्व से 7 प्रकरण दर्ज होना पाये गये। दोनों को बुधवार दोपहर कोर्ट में पेश कर उपजेल महिदपुर भेजा गया है। दोनों के फरार 2 साथियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जायेगा।

## एनएसयूआई ने परीक्षा सारिणी जारी करने की मांग को लेकर विक्रम विश्वविद्यालय को सौंपा ज्ञापन

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कोठी रोड स्थित विक्रम विश्वविद्यालय में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। छात्र नेता रोहित लश्करी के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बी.कॉम प्रथम वर्ष (लॉजिस्टिक्स), क्रिमिनोलॉजी एवं रिटेल ऑपरेशन विषयों की परीक्षा सारिणी शीघ्र जारी करने की मांग की गई। एनएसयूआई प्रदेश महासचिव हिमांशु शुक्ल ने बताया कि उक्त विषयों की परीक्षाएं नजदीक हैं, लेकिन अभी तक विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा समय-सारिणी जारी नहीं की गई है। इसके कारण विद्यार्थियों में असमंजस और चिंता की स्थिति बनी हुई है। समय पर परीक्षा कार्यक्रम नहीं मिलने से छात्र-छात्राएं अपनी पढ़ाई और तैयारी को व्यवस्थित नहीं कर पा रहे हैं। ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की गई कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा सारिणी जल्द जारी की जाए, ताकि छात्र बिना किसी मानसिक दबाव के अपनी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। इस अवसर पर एनएसयूआई प्रदेश महासचिव हिमांशु शुक्ल एवं अखिलेश अस्तेय सहित अन्य छात्र उपस्थित रहे।

## उज्जैन में बढ़ रहा ऑनलाइन फ्रॉड, युवा अधिक शिकार

**सोशल मीडिया, फर्जी वेबसाइट और निवेश के झांसे से बढ़े साइबर अपराध- कॉलेज छात्र-छात्राएं भी निशाने पर**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में साइबर ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। खासकर युवा और कॉलेज छात्र-छात्राएं ऑनलाइन खरीदारी, पार्ट-टाइम जॉब, निवेश और फर्जी कस्टमर केयर के नाम पर ठगी का शिकार बन रहे हैं। साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को जाल में फंसा रहे हैं।

मोबाइल और इंटरनेट आज युवाओं की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। पढ़ाई, बैंकिंग, खरीदारी, नौकरी की तलाश और मनोरंजन जैसे अधिकांश काम स्मार्टफोन के जरिए हो रहे हैं। इसी का फायदा उठाकर साइबर ठग युवाओं को निशाना बना रहे हैं। हाल के कई मामलों में ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर भुगतान लेने के बाद सामान नहीं भेजा गया, जबकि कई लोगों से निवेश पर अधिक मुनाफे का लालच देकर रकम ऐंठ ली गई। जांच में सामने आया है कि साइबर अपराधी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, मैसेजिंग ऐप और फर्जी वेबसाइटों का सहारा लेकर लोगों तक पहुंच रहे हैं। आकर्षक विज्ञापन, नौकरी के ऑफर और संदिग्ध लिंक भेजकर पहले भरोसा जीता जाता है, फिर धीरे-धीरे बड़ी रकम ट्रांसफर करवा ली जाती है। कई मामलों में फर्जी कस्टमर केयर नंबर के जरिए भी लोगों के बैंक खातों से पैसे निकाल लिए गए।

विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने, ओटीपी साझा करने या बिना जांच-पड़ताल के ऑनलाइन भुगतान करने से बचना चाहिए। साइबर ठगी की आशंका होने पर तुरंत संबंधित बैंक और साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। जागरूकता और सतर्कता ही ऐसे अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

## शहर में 20 से ज्यादा पालतू पशु पक्षियों की दुकानें, पंजीकृत सिर्फ 10, प्रतिबंधित प्रजातियों की बिक्री पर भी निगरानी नहीं

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में पालतू पशु-पक्षी पालने का शौक तेजी से बढ़ रहा है। इसके साथ ही पेट शॉप का कारोबार भी विस्तार ले रहा है, लेकिन इस व्यवसाय में नियमों के पालन को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। शहर में 20 से अधिक पेट शॉप संचालित होने के बावजूद पशुपालन विभाग के रिकॉर्ड में केवल 10 दुकानों का ही पंजीयन दर्ज है। ऐसे में बिना पंजीयन चल रही दुकानों और वहां बेचे जा रहे पशु-पक्षियों की निगरानी पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

भारत सरकार के नियमों के अनुसार कुत्ता, बिल्ली, खरगोश, चूहा और पिंजरे में रखे जाने वाले पक्षियों का व्यापार करने वाले सभी पेट शॉप संचालकों के लिए पंजीयन अनिवार्य है। पंजीयन के बाद संबंधित विभाग द्वारा समय-समय पर निरीक्षण कर यह देखा जाता है कि पशु-पक्षियों को पर्याप्त स्थान, भोजन और आवश्यक सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई का प्रावधान भी है।

पांच साल के लिए मान्य रहता है पंजीयन- जानकारी के अनुसार प्रत्येक पेट शॉप का पंजीयन पांच वर्ष के लिए वैध होता है। इसके बाद नवीनीकरण कराना आवश्यक है। हालांकि जांच में सामने आया है कि कई संचालकों ने पंजीयन का नवीनीकरण नहीं कराया है। वर्तमान में शहर में 20 से अधिक पेट शॉप संचालित हैं, जबकि पशुपालन विभाग के पास सिर्फ 10 दुकानों का ही वैध पंजीयन दर्ज है।

प्रतिबंधित और संरक्षित प्रजातियों की बिक्री की आशंका- जानकारों का कहना है कि कुछ दुकानों में प्रतिबंधित कछुए और संरक्षित श्रेणी के पक्षियों की बिक्री भी खुलेआम की जा रही है। कई मामलों में ऐसे पशु-पक्षियों की ऑनलाइन मांग के आधार पर आपूर्ति किए जाने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। यदि किसी संरक्षित वन्यजीव की खरीद-फरोख्त होती है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई का अधिकार वन विभाग के पास होता है, लेकिन प्रभावी निगरानी के अभाव में ऐसे मामलों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

पशु क्रूरता निवारण समिति भी निष्क्रिय- शहर में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के पालन और निगरानी के लिए वर्ष 2003 में जिला पशु क्रूरता निवारण समिति का गठन किया गया था। समिति में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को शामिल किया गया है तथा इसकी मॉनिटरिंग कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक स्तर पर होती है। इसके बावजूद शहर में बढ़ती अनियमित पेट शॉप और नियमों के उल्लंघन की जानकारी समिति तक भी प्रभावी रूप से नहीं पहुंच पा रही है।

नियमों के पालन और कार्रवाई की जरूरत- विशेषज्ञों का मानना है कि पालतू पशु-पक्षियों के व्यापार को व्यवस्थित करने के लिए नियमित निरीक्षण, बिना पंजीयन संचालित दुकानों पर कार्रवाई तथा प्रतिबंधित प्रजातियों की बिक्री पर सख्त निगरानी आवश्यक है। इससे न केवल पशु कल्याण सुनिश्चित होगा, बल्कि अवैध वन्यजीव व्यापार पर भी रोक लग सकेगी।

## ग्राम नवाखेड़ा में रेज्ड बेड पद्धति से सोयाबीन बुवाई का कार्य प्रारंभ

**उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** उज्जैन विकासखंड के ग्राम नवाखेड़ा में कृषक श्री राजेंद्र सिंह, पिता श्री भगवान सिंह, के खेत पर रेज्ड बेड पद्धति से फसल बुवाई का कार्य प्रारंभ कराया गया। कृषक द्वारा कुल 125 बीघा क्षेत्र में रेज्ड बेड विधि से फसल बुवाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में लगभग 65 बीघा क्षेत्र में इस पद्धति से सोयाबीन फसल की बुवाई पूर्ण की जा चुकी है।

कृषि विभाग के सहायक संचालक कृषि श्री कमलेश कुमार राठौर ने बताया कि बदलती कृषि तकनीकों के दौर में फसल बुवाई की विधियों में नवाचार आवश्यक है। रेज्ड बेड पद्धति से बुवाई करने पर प्राकृतिक परिस्थितियों में अधिक वर्षा अथवा कम वर्षा, दोनों स्थितियों में फसल को होने वाला नुकसान अपेक्षाकृत कम होता है। साथ ही सामान्य बुवाई की तुलना में इस पद्धति से बुवाई करने पर उत्पादन में लगभग 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि होने की संभावना रहती है।

इस अवसर पर कृषि अभियांत्रिकी विभाग के सहायक कृषि यंत्री श्री पी.सी. सिसोदिया, श्री वैभव प्रजापति एवं श्री अंशुल द्वारा कृषक को रेज्ड बेड पद्धति से बुवाई संबंधी तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया तथा इसके लाभों की जानकारी दी गई।

## त्योहारों का इंतजार किए बिना शुरू करें खाद्य पदार्थों की जांच और सैंपलिंग

**खाद्य सुरक्षा समिति की बैठक में बाजार में नकली और अवमानक खाद्य सामग्री की बिक्री रोकने पर जोर**

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में मिलावटी और अवमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री पर लगाम लगाने के लिए सख्त रुख अपनाया जाए। कलेक्टर ने खाद्य सुरक्षा विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि खाद्य पदार्थों की जांच और नमूना संग्रहण की कार्रवाई केवल त्योहारों तक सीमित न रखी जाए, बल्कि पूरे वर्ष लगातार अभियान चलाकर बाजार की निगरानी की जाए।

गत दिवस आयोजित खाद्य सुरक्षा जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने कहा कि बाजार में किसी भी प्रकार की नकली, मिलावटी या मानक से कम गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्री का विक्रय नहीं होना चाहिए। इसके लिए नियमित सैंपलिंग, जांच और कार्रवाई को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाद्य सुरक्षा कानून का सख्ती से पालन कराते हुए उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए।

बैठक में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी बसंत दत्त शर्मा ने बताया कि वर्ष 2025-26 में विभाग ने निर्धारित लक्ष्य 420 के मुकाबले 513 खाद्य नमूने एकत्र किए, जो लक्ष्य का 122 प्रतिशत है। वहीं 1 अप्रैल से 20 जून 2026 तक भी लक्ष्य से अधिक 90 नमूने संग्रहित किए जा चुके हैं।

खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के मामलों में विभिन्न प्रकरणों का निराकरण कर अब तक 6.40 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। बैठक में कलेक्टर ने स्कूलों में भी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और संतुलित भोजन को लेकर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही मिठाई विक्रेताओं और कैटरिंग व्यवसायियों को मिठाइयों में चांदी वर्क का उपयोग बंद करने के लिए प्रेरित करने की बात कही। उनका कहना था कि नकली चांदी वर्क स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है और इसके उपयोग को समाप्त करने की पहल उज्जैन से शुरू होनी चाहिए।

## स्नान पूर्णिमा पर पवित्र तीर्थों के जल से होगा भगवान जगन्नाथ का महाअभिषेक

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** इस्कॉन मंदिर में आगामी 29 जून को भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी का दिव्य स्नान पूर्णिमा महोत्सव अत्यंत भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष यह धार्मिक उत्सव मध्यप्रदेश शासन के %जलगंगा संवर्द्धन अभियान% के समापन समारोह के रूप में भी आयोजित हो रहा है।

इस बार का विशेष आकर्षण यह है कि प्रदेशभर में जल संरक्षण अभियान के तहत जिन पवित्र नदियों, तीर्थों और सरोवरों का जल सहेजा गया है, उसी पावन जल से भगवान जगन्नाथ का महाअभिषेक संपन्न होगा। इस्कॉन उज्जैन के कम्यूनिकेशन डायरेक्टर राघव पंडित दास ने बताया कि स्नान यात्रा महोत्सव का शुभारंभ 29 जून को प्रातः 7:30 बजे पांडु-विजय कीर्तन के साथ होगा। भगवान को स्नान वेदी पर विराजमान कर मंगल आरती की जाएगी और फिर दिव्य अभिषेक प्रारंभ होगा।

महोत्सव में सभी श्रद्धालुओं को अपने हाथों से भगवान जगन्नाथ का अभिषेक करने का दुर्लभ अवसर प्राप्त होगा। अभिषेक के पश्चात श्रद्धालु भगवान के दिव्य गजवेश के दर्शन कर सकेंगे और महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

महोत्सव में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके साथ ही इस्कॉन भारत के उपाध्यक्ष महामन महाराज, इस्कॉन उज्जैन के अध्यक्ष भक्ति प्रेम स्वामी महाराज सहित कई साधु-संत और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

प्रदर्शनी में दिखेंगे 108 रथ, शाम को मनेगी संन्यास वर्षगांठ- महोत्सव के दौरान समूचे मध्यप्रदेश में निकलने वाली 108 रथ यात्राओं के रथों और स्कूली बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाए गए छोटे रथों की विशेष प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसी दिन सायंकाल 6 बजे से इस्कॉन उज्जैन के संस्थापक श्री श्री भक्ति चारू स्वामी महाराज की 49वीं संन्यास वर्षगांठ भी श्रद्धापूर्वक मनाई जाएगी।

15 दिन के विश्राम के बाद 16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथ यात्रा- पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान जगन्नाथ अवंती के राजा इंद्रद्युम्न की प्रार्थना पर प्रकट हुए थे। उज्जैन इस्कॉन में यह परंपरा 20 वर्षों से जारी है। स्नान यात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ 15 दिनों तक विश्राम काल में रहेंगे। इसके बाद 16 जुलाई को आयोजित होने वाली भव्य रथ यात्रा में वे पुनः नगरवासियों को दर्शन देंगे। मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से इस ऐतिहासिक महोत्सव में पारंपरिक परिधान यानी महिलाओं से साड़ी और पुरुषों से धोती-कुर्ता पहनकर शामिल होने का आग्रह किया है।

## 1 जुलाई को महिदपुर में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन

**उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश शासन के युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा शासकीय आईटीआई संस्थान के तत्वावधान में 01 जुलाई 2026, बुधवार को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक शासकीय महाविद्यालय परिसर, महिदपुर, जिला उज्जैन में एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेला, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा।

उक्त रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियाँ जैसे कटारिया ग्रुप उज्जैन, न्यूज़ील फैशन वियर प्राइवेट लिमिटेड बदनावर, प्रतिभा स्वराज प्राइवेट लिमिटेड उज्जैन, बेस्ट लाइफस्टाइल अपैरल प्राइवेट लिमिटेड उज्जैन, बीजेए एग्रो बायोकेयर प्राइवेट लिमिटेड भोपाल, बीईसीबी पावरट्रेन पीथमपुर, कृषि दर्पण एग्रो प्राइवेट लिमिटेड उज्जैन, नॉक्स विंड लिमिटेड बड़वानी, सीआईआई एमसीसी इंदौर (भारतीय उद्योग परिसंघ), स्वातंत्र माइक्रोफिन लिमिटेड तथा भारतीय जीवन बीमा निगम खाचरौद सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

मेले में लगभग 300 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें सेल्स एग्जीक्यूटिव, टेक्नीशियन, ट्रेनर, सेल्स, टीम लीडर, बैंक ऑफिस स्टाफ, सुरक्षा गार्ड, ऑपरेटर, हेल्पर, ऑफिस बॉय आदि पद शामिल हैं। कंपनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारंभिक चयन करेंगे तथा आकर्षक वेतन पर रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे।

महिला अभ्यर्थियों के लिए हेल्पर एवं ऑपरेटर पदों पर विशेष भर्ती के अवसर उपलब्ध रहेंगे। रोजगार मेले में 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे आवेदक भाग ले सकते हैं, जिन्होंने 5वीं कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर तक किसी भी विषय में उत्तीर्णता प्राप्त की हो। तकनीकी योग्यता रखने वाले आवेदक भी अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

## कलम का धर्म सत्य, साहस ही पत्रकारिता की पहचान

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का एक दिवसीय जिला सम्मेलन गुरुवार को नीलगंगा स्थित शिवांजलि गार्डन में आयोजित हुआ। सम्मेलन संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया कि अध्यक्षता में हुआ।

जिसमे पत्रकार सुरक्षा कानून, एआई चुनौतियां एवं निष्पक्ष पत्रकारिता सहित अन्य विषयों पर मंथन हुआ।

इस अवसर पर महामंडलेश्वर शैलेषानंद गिरी जी महाराज, रामकथा व्यास सुलभ शांतु गुरु जी, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष डॉ. रविंद्र सोलंकी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बड़े भाई एवं प्रेस क्लब अध्यक्ष नंदलाल यादव मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में जिलाध्यक्ष डॉ. राहुल कटारिया ने सभी अतिथियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया और स्वागत उद्बोधन दिया। मंच पर महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश सह संयोजक प्रगति श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश मंत्री डॉ. नरेंद्र राजावत, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र पुरोहित, संभागीय अध्यक्ष मनोज जैन, जिला महासचिव डॉ. घनश्याम शर्मा और छतरपुर संभाग के जिला महामंत्री आदी।